आज का विचार

जन्म के रिश्ते ईश्वर का प्रसाद जैसे है..... लेकिन खुद के बनाए रिश्ते आप की पूंजी है... इन्हें बहुत सहेज कर रखिए।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-105 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलंकरण से विजयराज सम्मानित

रायपुर, मंगलवार 17 जून, 2025

करुण नायर का चौंकाने वाला खुलासा, बताया किसने दी थी संन्यास की सलाह

कांग्रेस अगले 100 सालों तक परिवार से बाहर किसी को दे ही नहीं सकती क्रेडिट: बीजेपी

नई दिल्ली,16 जून (ए)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कांग्रेस पार्टी पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज के साथ धोखा करने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए. केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने लालू यादव और ममता बनर्जी पर भी जमकर हमला बोला. केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने ओबीसी समाज के साथ हमेशा धोखा किया है.

वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय' से सम्मानित किए जाने पर गर्व जताया. उन्होंने इसे भारत के लिए गौरवमयी क्षण बताया और कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी का 23वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है. उन्होंने इस सम्मान को भारत की सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान बताया. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी समाज के साथ धोखा किया है. अगर उनके (कांग्रेस) मन में सच्चाई होती, तो काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट के बाद कोई दूसरा कमीशन क्यों नहीं बनाया गया? मंडल कमीशन का गठन तो जनता पार्टी की सरकार में हुआ था. उन्होंने आगे कहा कि, जनता पार्टी के सत्ता से हटने के बाद भी मंडल कमीशन की सिफारिशें तुरंत लागू नहीं हुई. जब देश से दोबारा कांग्रेस की सत्ता गई, तब जाकर मंडल कमीशन लागू हुआ. राजीव गांधी ने तो मंडल कमीशन का खुलकर विरोध किया था. जब सुप्रीम कोर्ट ने मंडल आयोग की वैधानिकता को स्वीकार किया, तब भी कांग्रेस ने ओबीसी कमीशन को दंतविहीन बनाने का काम किया. यादव ने जोर देकर कहा कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तब ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला. उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार ने ओबीसी समाज को उनका हक दिलाया, जबकि कांग्रेस ने 70 साल तक सिर्फ छल किया.केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कर्नाटक के सर्वे को सामाजिक न्याय का ढोंग बताया.

कर्नाटक में हुए जाति सर्वे को लेकर यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, कर्नाटक का 165 करोड़ रुपये का सर्वे, जो एक दशक से अधिक समय से चल रहा है, इसका जिम्मेदार कौन है? कांग्रेस के लिए सामाजिक न्याय सिर्फ एक मुखौटा है, उनकी नीति तो केवल तुष्टिकरण की है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अगले 100 साल तक परिवार से बाहर किसी को क्रेडिट नहीं दे सकती. केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार ने अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है उन्होंने कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि, कांग्रेस के भ्रष्टाचार की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था नाजुक हो गई थी. करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की जवाबदेही कौन लेगा?

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूपेंद्र यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा, ममता बनर्जी हमेशा से अपने राज्य में पिछड़ी जातियों की अनदेखी करती रही हैं. साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव पर हमला बोलते हुए कहा, लालू यादव को डॉ. बी.आर. आंबेडकर की तस्वीर का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए. प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेता ने एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों को गिनाया तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, ममता बनर्जी और लालू यादव पर तीखे राजनीतिक हमले किए. यादव ने ओबीसी समाज के मुद्दों को उठाकर मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को सामने रखा और विपक्षी दलों की नीतियों पर सवाल उठाए.

भारतीय जनता पार्ट लगातार सामाजिक न्याय और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर विपक्ष को घेरने का प्रयास कर रही है, खासकर बिहार जैसे राज्यों में जहां 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। और प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी बिहार चुनाव के एजेंडे का साफ साफ पार्टी ने संकेत दे दिया.

पहला कॉलम

एपीजे अब्दुल कलाम के साथ काम कर चुके इसरो के पूर्व वैज्ञानिक का निधन

तिरुनेलवेली,16 जून (ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व वैज्ञानिक नेल्लई सु. मुथु का सोमवार 16 जून को तिरुवनंतपुरम में निधन हो गया. वह 74 वर्ष के थे. बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था. नेल्लई सु.मुथु मूल रूप से तिरुनेलवेली के रहने वाले थे. इसरो में काम करने के बाद तिरुवनंतपुरम में बस गए. इसके बाद वे कुछ सालों तक मदुरै जिले में अपनी बेटी के घर पर रहे. उनका पार्थिव शरीर मदुरै में उनकी बेटी के घर लाया जाएगा और अंतिम संस्कार किया जाएगा.

नेल्लई सु.मुथु तमिलनाडु के एक वैज्ञानिक और विज्ञान लेखक थे. उनका जन्म 10 मई, 1951 को तिरुनेलवेली जिले में एम. सुब्रमण्यम पिल्लई और एम. सोरनाथम्मल के घर हुआ था. मुथु ने श्रीहरिकोटा ससिस्थवन अंतरिक्ष केंद्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में काम किया. उन्हें मलेशिया के विश्व तमिल कवि संघ द्वारा प्रदान किए गए कविमम्णि पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया.

इसके अलावा उन्होंने विज्ञान, बाल साहित्य, कविता, इतिहास, अनुवाद और आलोचना जैसे विषयों पर 70 से ज्यादा किताबें लिखी हैं. उन्होंने 100 से ज्यादा किताबें लिखी हैं, खास तौर पर विज्ञान पर. 2004 में 'सेव्वायिल उल्वेत्क्कैयुम नाल वैप्पुमङ् (मंगल में अन्वेषण और भाग्य) नामक पुस्तक भी लिखी, जो मंगल ग्रह के बारे में ग्रीक मिथकों और आधुनिक वैज्ञानिक संभावनाओं के बारे में है.

कुछ अलग

लखनऊ हवाई अड्डे पर विमान की लैंडिंग के समय पहिए से निकला धुआं, बड़ा हादसा टला

लखनऊ,16 जून (ए)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को बड़ा हादसा होते-होते बचा। दरअसल, जेद्दा से आ रही सऊदी एयरलाइंस की उड़ान को हवाई पट्टी पर उतरते समय लैंडिंग गियर में तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा। इससे पहिए के पास चिंगारी देखी गई और हड़कंप मच गया। विमान 250 हज यात्रियों को लेकर लखनऊ पहुंचा था। घटना की जांच शुरू हो गई है। सऊदी एयरलाइंस की एसवी-3112 शनिवार की रात 10:45 बजे जेद्दा से रवाना हुई थी। वह रविवार सुबह 6:30 बजे लखनऊ पहुंची। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विमान के उतरते ही उसके बाएं पहिए से धुआं और चिंगारी निकलते देखी गई। पायलट ने सतर्कता दिखाते ही विमान को रोका और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताया। इसके बाद विमान को पीछे धकेलकर टैक्सीवे पर लाया। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित उतार लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हवाई अड्डे की

खरी-खरी

जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी, 2 चरणों में होगी आबादी की गिनती

नईदिल्ली,16 जून (ए)। केंद्र सरकार ने जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। यह 2 चरणों में अक्टूबर 2026 और मार्च 2027 से शुरू होगी। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी की गई अधिसूचना में बताया गया है कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनगणना अक्टूबर 2026 से शुरू होगी। इसके बाद माईच 2027 से अन्य राज्यों में जनगणना शुरू की जाएगी। जनगणना के साथ ही जाति जनगणना भी होगी।

पहले चरण की जनगणना को हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन के नाम से जाना जाएगा।

इसमें परिवार की संपत्ति, पारिवारिक आय, आवास की स्थिति और सुविधाओं से संबंधित डेटा एकत्र किया जाएगा।

दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के तहत घर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के बारे में जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाएगी। इस की जनगणना भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। ऐसे में उत्तर देने वाले निवासी घर से ही प्रश्नों के उत्तर को दे सकेंगे। इसमें घर-घर जाकर जनगणना तो की जाएगी, लेकिन यह सभी चीजें टैबलेट और मोबाइल के जरिए होंगी। लोगों को ऑनलाइन भी जनगणना में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

इसके अलावा पहली बार जनगणना में जाति की गणना भी जनगणना की प्रक्रिया होगी, जिसकी काफी समय से मांग उठ रही थी।

जनगणना की तिथियां सामने आने के बाद अब महिला आरक्षण विधेयक और विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया का भी रास्ता साफ हो गया है।

जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिसमें अंतर्गत सभी राज्यों में सीटों का जनसंख्या के अनुसार आकलन किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव 2029 में केंद्र सरकार नए परिसीमन के मुताबिक, महिला आरक्षण विधेयक भी लागू करेगी, जिससे संसद में प्रवेश के लिए महिला सांसदों को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर बंगाल को धनराशि रोकने का गंभीर आरोप लगाया

कोलकाता,16 जून (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार राजनीतिक कारणों से जानबूझकर बंगाल को मिलने वाले फंड को रोक रही है. उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में केंद्र की ओर से मितव्ययी योजनाओं जैसे एमजीएनआरईजीए, प्रधानमंत्री आवास योजना और ग्रामीण सड़क विकास के लिए बंगाल को एक भी रुपये नहीं मिला है. ममता ने आरोप लगाया कि बंगाल के लिए निर्धारित धनराशि को अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है, जो केवल अन्याय ही नहीं बल्कि एक अपराध है. उन्होंने कहा, यह केवल प्रशासनिक भेदभाव नहीं, बल्कि एक राजनीतिक साजिश है. केंद्र ने साफ कर दिया है कि वह बंगाल को कोई पैसा नहीं देगा. उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल सरकार ने अपनी तरफ से अपनी सीमित संसाधनों से ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक व्यक्ति-दिन रोजगार सृजित किए हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले लोगों को सालाना केवल 37-38 दिन काम मिलता था, जबकि अब बंगाल सरकार कम से कम 50 दिन रोजगार प्रदान कर रही है और इसे बढ़ाने की योजना है. ममता बनर्जी ने कई भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वालों के खिलाफ बढ़ते सांप्रदायिक भेदभाव की भी कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि अगर कोई बंगाली भाषा बोलता है तो उसे बांग्लादेशी कहकर गलत ठहराया जा रहा है, चाहे उसके पास आधार, पैन या वोटर कार्ड जैसे वैध भारतीय दस्तावेज क्यों न हों. कई लोगों को केवल उनकी भाषा की वजह से देश से बाहर निकाला जा रहा है. ममता ने कहा, क्या बंगाली बोलना अब अपराध बन गया है? यह बंगाल और इसके लोगों का अपमान है. ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार का बंगाल के खिलाफ यह भेदभाव और धनराशि रोकना कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति है. लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बंगाल कभी भी दबाव में नहीं आएगा और न ही चुप रहेगा. उन्होंने कहा, बंगाल झुकेगा नहीं, बंगाल चुप नहीं रहेगा.

सर गंगाराम में भर्ती पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की हालत स्थिर

नई दिल्ली,16 जून (ए)। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर है. अस्पताल के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी की स्वास्थ्य स्थिति पर डॉक्टरों की टीम निगरानी कर रही है. इससे पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण रविवार रात को उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया था. उन्हें पेट संबंधित परेशानी है. गैस्ट्रोइंटेरोलाजी सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. समीरन नंदी की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ था. अस्पताल प्रशासन की तरफ से यह जानकारी दी गई थी कि उन्हें रविवार रात 9:10 बजे अस्पताल अस्पताल लाया गया था. इससे पहले सात जून को भी उनकी तबीयत खराब हो गई थी और तब वह शिमला में थीं. तब उन्हें शिमला के ही अस्पताल में भर्ती किया गया था. 78 वर्षीय सोनिया गांधी को उम्र की वजह से कई बार स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने के चलते पहले भी सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया जाता रहा है. इस साल 20 फरवरी को भी उन्हें पेट संबंधी परेशानी होने पर सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उन्हें आखिरी बार संसद में 13 फरवरी को देखा गया था. इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी. उन्होंने संसद में प्रश्नकाल के दौरान सरकार से जनगणना जल्दी पूरी कराने के लिए भी कहा था. साथ ही 14 करोड़ से ज्यादा लोगों के खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रहने का भी सरकार पर आरोप लगाने के साथ सरकार से कई सवाल भी पूछे थे.

सोनिया गांधी लंबे समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रही हैं और उन्होंने राष्ट्रीय सलाहकार परिषद जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी काम किया है. साथ ही वह करीब आठ बार लोकसभा की सदस्य रही हैं. उनके अध्यक्ष रहते हुए ही कांग्रेस ने वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी और 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार चली थी.

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच करने बोइंग विशेषज्ञों की टीम गुजरात पहुंची

अहमदाबाद,16 जून (ए)। गुजरात में उड़ान भरने के ठीक बाद दुर्घटनाग्रस्त होने वाले एयर इंडिया हादसे की जांच करने बोइंग कंपनी के विशेषज्ञ सोमवार को अहमदबाद पहुंच गए हैं।

अमेरिकी अधिकारी और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के अधिकारी अहमदाबाद हवाई अड्डे से सीधे दुर्घटना स्थल के लिए रवाना हुए।

टीम कुछ दिनों तक भारत में रहकर बोइंग हादसे से जुड़े मामले की तफ्तीश करेगी।

गुरुवार 12 जून को अहमदाबाद-लंदन एआई-171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) 242 यात्रियों के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की व्यापक जांच जून 2023 में हुई थी। अब दिसंबर 2025 में इसकी जांच होनी थी, लेकिन उससे पहले हादसा हो गया।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के बोइंग 787-8 और 9 विमानों की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दिया है। उधर, बोइंग कंपनी ने पेरिस एयर शो में अपनी उपस्थिति रद्द कर दी है, यह घोषणा पिछले हफ्ते गुरुवार शाम को की गई थी, ताकि वह जांच पर ध्यान कर सकें।

जांच अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने रविवार को दुर्घटनाग्रस्त एयर इंडिया विमान का कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिया है।

यह महत्वपूर्ण साक्ष्य दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में सहायक होगा।

इसकी पुष्टि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने की, जिन्होंने रविवार को बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटना स्थल का दौरा किया।

इससे पहले ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर मेडिकल कॉलेज के छात्रावास की छत से बरामद किया गया था।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के लिए एक संसदीय पैनल भी गठित किया गया है।

राज्यसभा सांसद संजय झा की अध्यक्षता वाला पैनल डीजीसीए, एयर इंडिया और बोइंग सहित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करेगा।

समिति विमानों में यात्रियों की सुरक्षा पर एक रिपोर्ट पेश करेगी, जिसमें बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 की खरीद की तारीख (जब एयरलाइन सरकारी नियंत्रण में थी) और इसके रखरखाव पर विचार करेगी। बता दें कि अब तक 80 शवों की पहचान डीएनए से हुई है।

ईरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया, विदेश मंत्रालय ने बताया

नईदिल्ली,16 जून (ए)। इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इस बीच विदेश मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया है।

मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि भारतीय दूतावास छात्रों की सुरक्षा स्थिति को लेकर निगरानी कर रहा है।

मंत्रालय का कहना है कि दूतावास की मदद से ईरान में भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थानों में भेजा जा रहा है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, तेहरान में भारतीय दूतावास लगातार सुरक्षा स्थिति की निगरानी कर रहा है और ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनसे संपर्क कर रहा है। कुछ मामलों में, दूतावास की मदद से छात्रों को ईरान के भीतर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। अन्य व्यवहार्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा, दूतावास कल्याण और सुरक्षा के संबंध में समुदाय के नेताओं के संपर्क में है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान में कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा पर चिंता जताई है और केंद्र से त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की है।

कोटमसर गुफा आज से चार महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा

जगदलपुर। बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित विश्व प्रसिद्ध कोटमसर गुफा 16 जून से चार महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा। प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांच से भरपूर कोटमसर गुफा की रहस्यमय गहराइयों को देखने के लिए अब तक 5 लाख से अधिक पर्यटक पंहुच चुके है। गुफा की अद्वितीय चूना-पत्थर संरचनाएं, प्राकृतिक छटा और अंदर की ठंडक लोगों को खूब भा रही है, लेकिन अब बारिश का मौसम शुरू होने जा रहा है और सुरक्षा कारणों के चलते कोटमसर गुफा को 16 जून से अस्थायी रूप से चार महीने के लिए बंद किया जा रहा है।

पहला कालम

कर्मचारी संवाद कार्यक्रम में कमलपुर स्टेशन स्टॉफ की सुनी समस्याएं

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रविवार १५ जून को मजदूर कांग्रेस शाखा करंजी के द्वारा कर्मचारी संवाद कार्यक्रम के तहत कमलपुर ग्राम स्टेशन पहुंच पूरे कॉलोनी में घूम घूम कर स्टेशन स्टॉफ की समस्याओं से रूबरू हो इसके निदान के प्रयास की बात कही ।मजदूर कांग्रेस के करंजी ब्रांच के सेक्रेट्री पप्पू सिंह के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने कॉलोनी में साफ सफाई का आभाव देखा टीम को कॉलोनीवासियों ने बताया कि क्वार्टर के आसपास सहित नालियों की साफ सफाई बारिश के पूर्व अति आवश्यक है साथ ही कई आवास के खिड़की दरवाजे मरम्मत के आभाव में झूलते पाए गए वही क्वार्टर के सामने के हिस्से में फेंसिंग टूट जाने से क्वार्टर में रहने वाले कर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।इसके अतिरिक्त कॉलोनी का एप्रोच रोड जो जर्जर हो गया है उसके मरम्मत की आवश्यकता समझी गई है साथ ही सड़क में लगे स्ट्रीट लाइट के प्रकाश कमजोर होने रात्रिकाल में पर्याप्त रौशनी नहीं देने पर आ रही समस्या को देख उन्हें बदलवा नई अधिक वाट के लाइट लगाने कॉलोनी वासियों ने मांग की है ।सभी समस्याओं को सुनने के बाद संवाद इसे सम्बन्धित अधिकारियों को अवगत करा इसके निराकरण का टीम ने आश्वासन दिया है ।इस दौरान संगठन के डीके पॉल,मणिलाल राजवाड़े,शुभम कुमार,मुनीब प्रशाद,आलोक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विनायकम क्रिकेट अकादमी टूनार्मेंट 2025... भव्य समापन समारोह और पुरस्कार वितरण

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। विनायकम क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन समारोह अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस टूनार्मेंट ने न केवल युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि खेल भावना, अनुशासन, और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा दिया। सरगुजा, बिलासपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, सीतापुर, उदयपुर, लखनपुर, बैकुंठपुर, सोनहत, और जशपुर जैसे क्षेत्रों से दो सौ पचास से अधिक खिलाड़ियों ने इस टूनार्मेंट में हिस्सा लिया। दो चरणों में आयोजित इस प्रतियोगिता ने पहले जूनियर खिलाड़ियों और फिर सीनियर खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथियों, अभिभावकों, और बच्चों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया। यह समारोह खेल, प्रेरणा, और पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा संगम साबित हुआ. समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। अनोखी सोच संस्था के प्रतिनिधि सदस्य दिनेश गर्ग, संजू चटर्जी, चंद्र प्रकाश सिंह, सुनील साहू ने नन्हे बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया. स्नेक मैन सत्यम द्विवेदी, समाज सेविका शिल्पा पाण्डेय, ब्लड मैन पीयूष त्रिपाठी, और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सपना सोनी ने भी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सभी अतिथियों ने अपने जीवन की प्रेरणादायी कहानियाँ साझा कीं और बच्चों को समर्पण, अनुशासन, और मेहनत के महत्व को समझाया। फील आनंदम के संस्थापक श्री अतुल मेहता जी ने अपने मार्गदर्शन से बच्चों को प्रेरित किया। इस अवसर पर श्री अतुल मेहता जी का जन्मदिन बच्चों द्वारा जन्मदिन गीत गाकर और मुख्य

अतिथियों, अभिभावकों, और खिलाड़ियों के साथ वृक्षारोपण कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के प्रति अकादमी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। पुरस्कार वितरण समारोह इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। जूनियर वर्ग में सभी टीमों के खिलाड़ियों को मेडल्स प्रदान किए गए। व्यक्तिगत पुरस्कारों में प्रज्ज्वल श्रीवास को बेस्ट फील्डर, कनीष शर्मा को बेस्ट विकेट कीपर, सान्वी सिन्हा को बेस्ट डिसिप्लिन प्लेयर, आदित्य शर्मा को बेस्ट कप्तान, विश्वजा पाठक को बेस्ट बॉलर, सम्पृक्त पांडेय को बेस्ट बैट्समैन और अयांश द्विवेदी को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। जूनियर वर्ग की रनर-अप और विनर टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई। सीनियर वर्ग में भी सभी खिलाड़ियों को मेडल्स दिए गए। व्यक्तिगत पुरस्कारों में मोनू कुमार को बेस्ट फील्डर, शिवम दिवाकर को बेस्ट विकेट कीपर, अयांश द्विवेदी को बेस्ट डिसिप्लिन प्लेयर, नैतिक चौधरी को बेस्ट कप्तान और बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड मिला, अनिकेत पांडेय को बेस्ट बॉलर, और ईशान चौधरी को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। वार्षिक पुरस्कारों ने इस समारोह को और विशेष बना दिया।

रूद्रांग त्रिपाठी को बेस्ट बॉलर ऑफ द ईयर, नैतिक चौधरी को बेस्ट बैट्समैन ऑफ द ईयर और ईशान चौधरी को मैन ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीनियर वर्ग की रनर-अप और विनर टीमों को भी ट्रॉफी प्रदान की गई। इस आयोजन में सरगुजा टीम के चयनकर्ता कुमार कार्तिकेय शर्मा, सुनिका शर्मा, उमेश पांडेय, रंजीत सोनी, अधिवक्ता दुर्गा शरण चौहान, अकादमी की सह-संस्थापिका और योग गुरु प्रियंका मैम, अकादमी की समन्वयक प्रबंधक अनु पाण्डेय और सभी अभिभावकों की उपस्थिति ने समारोह को और भी गरिमामय बनाया। कार्यक्रम का संचालन विनायकम क्रिकेट अकादमी के संस्थापक और हेड कोच विनायक शर्मा ने किया, जिन्होंने समर्पण, अनुशासन, और जुनून को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने सभी मुख्य अतिथियों, अभिभावकों, और प्रायोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

समारोह का समापन मुख्य अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण के साथ हुआ, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक संदेश था। सभी उपस्थित अतिथि, अभिभावक, और बच्चे इस आयोजन से अत्यंत अभिभूत थे और इसे एक यादगार अनुभव बताया। यह टूनार्मेंट न केवल खेल की भावना को बढ़ावा देने में सफल रहा, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा और सामाजिक जिम्मेदारी का एक अनूठा मंच भी साबित हुआ।

एसईसीएल में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ

सीएमडी ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा दिनांक १६ जून से ३० जून २०२५ तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ाज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ आज दिनांक १६ जून को एसईसीएल मुख्यालय में सीएमडी ने किया। अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने मुख्यालय के विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा श्रमिक संघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कार्यस्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया और सभी कर्मियों से स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत में शामिल करने का आह्वान किया। यह शपथ कार्यक्रम न केवल मुख्यालय, बल्कि एसईसीएल के सभी क्षेत्रों एवं कार्यालयों में एक साथ आयोजित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि स्वच्छता का यह संदेश संस्थान के प्रत्येक कोने तक पहुँचे। एसईसीएल स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह विशेष स्वच्छता पखवाड़ा इस दिशा में एक और सशक्त कदम है। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुंजनगर में शासकीय भूमि शिव चर्चा मैदान से हटाया गया अतिक्रमण

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सूरजपुर जनपद के ग्राम पंचायत कुंजनगर पहुंची प्रशासनिक टीम ने शिव चर्चा मैदान के पास लंबे समय से चल रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की है। सोमवार को पिलखा की नायब तहसीलदार मीना सिंह के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अतिक्रमित संरचनाओं को हटवा दिया । कार्रवाई के दौरान मौके पर पुलिस बल की मौजूदगी रही, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। बताया जा रहा है कि सुरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंजनगर में शिव चर्चा मैदान के आसपास खसरा नंबर ८९, रकबा १.०८ हेक्टेयर भूमि पर अवैध

कब्जा कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण किया गया था, जिसकी शिकायत पूर्व में प्रशासन को दी गई थी। प्रशासन ने पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वयं कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर कब्जेधारियों द्वारा अपना कब्जा नहीं हटाने के बाद प्रशासन ने आज खुद इसे जेसीबी के माध्यम से हटवा दिया है। नायब तहसीलदार मीना सिंह ने कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है और आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि अतिक्रमण में गांव के पवन, लक्ष्मण, सहस, गुड़वा राम, पुनेलाल, साधु आदि की भी संलिप्तता थी, जिन्होंने अपने-अपने नाम पर कब्जा कर उक्त भूमि पर अस्थायी निर्माण कर लिया था। इसके अलावा चंद्रभान रजवार, पुनेलाल तथा गुड़वा राम और साधु द्वारा भी चारों ओर से घेराबंदी कर अतिक्रमण को स्थायी रूप देने का प्रयास किया गया था ।प्रशासन ने सभी अवैध निर्माण को हटाते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर दिया है। इस दौरान सरपंच पति संजू सिंह, उपसरपंच सज्जाद, पंचायत सचिव नीलम जायसवाल, वार्ड पंच शाहरुख, सुजीत, हल्का पटवारी डिगु सिंह, हुकुम राजवाड़े व अन्य उपस्थित रहे।

धूमधाम से संपन्न हुई बंग समाज शपथ ग्रहण समारोह

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ बंग समाज कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष श्री रविन विश्वास ने आतिशबाजी बाजा गाजा तथा सैकड़ो नागरिकों की बीच३३ पदाधिकारीयों के साथ आतिशबाजी बाजा गाज के साथ समाज के ३३ पदाधिकारी ने शपथ एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण कीए समाज में पहली बार दो महिलाओं को समिति में स्थान दिया गया कार्यक्रम की शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र के समक्ष अगरबत्ती प्रज्वलित कर फूल माला से श्रद्धासुमन अर्पित के पश्चात उपस्थित गण्यमान्य अतिथियों की स्वागत फूल माला एवं बांग्ला स्वागत गीत से की गई कार्यक्रम में रायगढ़, सूरजपुर, अंबिकापुर तथा बलरामपुर जिले से प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों के साथ काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री रामू घोष जी एवं प्रदेश संरक्षक श्री सुबोध विश्वास जी ने सभा को संबोधित किया मंच संचालन श्री दिवाकर मुखर्जी एवं मंगल विश्वास जी के द्वारा कीया कार्यक्रम संपन्न के बाद सभी मिलकर रात्रि कालीन भोजन ग्रहण किये।

प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन 17 जून को,धरमलाल कौशिक और भावना वोहरा भी होंगे शामिल

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। भाजपा सरगुजा द्वारा संकल्प से सिद्धि अभियान के अंतर्गत दिनांक १७ जून मंगलवार को समय अपराह्न २:०० बजे से होटल पर्पल आर्चीट, अंबिकापुर में प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। साथ ही विधायक श्रीमती भावना बोहरा सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज का सम्मेलन को मार्गदर्शन प्राप्त होगा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरगुजा के जिला प्रचारक जीतेंद्र शर्मा सम्मेलन के मुख्य वक्ता के रूप में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन की जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने बताया कि यह सम्मेलन जिले के राजनैतिक, सामाजिक, व्यवसायिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, स्वयंसेवी, चिकित्सा, अभियंता, पत्रकार, जनप्रतिनिधि, विभिन्न संगठन तथा भाजपा के मोर्चा, प्रकोष्ठ, मंडल एवं मतदान केंद्र स्तर के सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं की सार्थक भागीदारी से संपन्न होगा। उन्होंने जिलेभर के समस्त सम्मानित प्रबुद्ध नागरिकों से सम्मेलन में सक्रिय सहभागिता कर इसे सफल बनाने का आह्वान किया है।

पीजी कॉलेज में छात्रों ने किया प्रदर्शन,प्राचार्य से समय सारणी में बदलाव करने की मांग

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में एनएसयूआई के छात्र संगठन ने छात्रों के साथ कई समस्याओं को लेकर कॉलेज परिसर में प्रदर्शन किया। दरअसल प्रदर्शन कर रहे हैं छात्र-छात्राओं ने कॉलेज में पहले जमकर नारेबाजी की। इसके साथ ही प्राचार्य कक्ष में जाकर प्राचार्य से समय सारणी में बदलाव करने की मांग रखी गई । छात्र-छात्राओं ने समस्याओं को बताते हुए कहा कि प्रोफेसर के द्वारा सिलेबस पूरा नहीं किया गया है जिसे छात्र-छात्रा पूरी तरह से सिलेबस नहीं पढ़ सके हैं। ऐसे में समय सारणी में बदलाव कर सिलेबस पूरा करना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल में बदलाव होने से यह समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन कॉलेज प्रबंधन के ऑटोनॉमस विभाग के द्वारा फरमान जारी कर दिया गया की ५० प्रतिशत बच्चे आवेदन लेकर आएंगे तभी टाइम टेबल में बदलाव किया जाएगा, जबकि छात्रों का कहना है कि ५० प्रतिशत प्रोफेसर भी अपनी ड्यूटी में नहीं आते जिससे उनके सिलेबस पूरे नहीं हो पा रहे हैं कई घंटे तक चले छात्रों के आंदोलन के बाद प्रचार के द्वारा आश्वासन दिया गया कि सभी प्रोफेसर की बैठक कर समय सारणी में बदलाव करने के विषय में चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलंकरण से विजयराज सम्मानित

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन कोलकता द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन खाटूश्याम राजस्थान के छत्तीसगढ़ भवन में आयोजित किया गया। इस अलंकरण समारोह में बिश्रामपुर क्षेत्र के विजयराज अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलंकरण हेतु चयनित करने के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय संयोजिका उमा बंसल द्वारा अभिनंदन पत्र एवं अग्र गौरव अवार्ड प्रदान किया गया। विजयराज अग्रवाल को निःशक्तजनों के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्यो समाज में अपनी विशिष्ट सेवाओं तथा सक्रिय

भागीदारी के लिए प्रदान किये गये अवार्ड के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरूस्कार प्रदान किया गया। इसके पूर्व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन नई दिल्ली के द्वारा राष्ट्रीय अवार्ड से तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल के द्वारा इन्दौर में सम्मानित किया गया था। विगत वर्ष होटल हिंदमान इंटरनेशनल कोलकाता में विजयराज अग्रवाल को अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया था। विजयराज अग्रवाल को अभी तक तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर एवं नौ बार राज्य स्तर पर अग्रवाल समाज द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर अग्र गौरव अलकरण सम्मान से सम्मानित किए जाने पर अग्रवाल समाज में हर्ष व्याप्त है।

विजयराज अग्रवाल को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिव्यांगजनों के शिक्षण प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए २००८, २०१० एवं २०१७ में अध्यक्षीय पुरूस्कार प्रदान किया गया है ।विजयराज अग्रवाल लगभग ३५ वर्षो से सामाजिक सेवा कार्यो से निरन्तर जुड़े हुए हैं। बाल विवाह प्रथा को रोकने, दहेज प्रथा उन्मूलन, समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम, नशामुक्ति कार्यक्रम, वृद्धाश्रम, पेयजल व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों को संस्थागत स्तर पर क्रियान्वित करते रहे हैं।

आधी रात सड़कों पर उतरे एसएसपी, खुद परखी रात्रि गश्त की हकीकत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। पुलिस की रात्रि गश्त कितनी प्रभावी और सतर्क है, इसे परखने खुद एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर आधी रात को सड़कों पर उतर आए। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात १५-१६ जून को एसएसपी ने बिश्रामपुर क्षेत्र के विभिन्न गश्त प्वाइंट्स पर अचानक पहुंचकर पुलिस अधिकारियों और जवानों की रात्रिकालीन ड्यूटी की हकीकत जानी। निरीक्षण के दौरान एसएसपी सबसे पहले बिश्रामपुर बस स्टैंड पहुंचे, जहां रात्रि गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और सतर्कता की बारीकी से जांच की गई। इसके बाद उन्होंने बिश्रामपुर नगर के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों, संदिग्ध गलियों और मुख्य चौराहों पर भी तैनात

जवानों की तैनाती और कार्यशैली को परखा। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रात्रि गश्त केवल खानापूर्ति नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह पूरी तरह सक्रिय, अलर्ट और अपराध निवारण की दिशा में परिणामदायक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चोरी, नकबजनी या असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए गश्ती दल को संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी होगी। विशेषकर रात में घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे कहां से आए हैं और कहां जा रहे हैं। एसएसपी ने कहा कि रात्रि में गश्त का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना और अपराधियों में भय उत्पन्न करना है। यह तभी संभव है जब हर पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग और जिम्मेदार रहेगा। एसएसपी ने जवानों को यहां पर प्रोत्साहित भी किया।

विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के आतिथ्य में आत्मानन्द विद्यालय प्रतापपुर में मना शाला प्रवेश उत्सव

प्रतापपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। स्वामी आत्मानन्द विद्यालय प्रतापपुर में विधायक श्रीमती शंकुन्तला सिंह पोर्ते के मुख्य आथित्य में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया.

उपरोक्त कार्यक्रम में विधायक द्वारा मंच के माध्यम से बच्चों का उत्साह वर्णन करते हुए शिक्षा का महत्व बताया गया ।साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। इसी तारतम्य में नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर तथा पाठ्य पुस्तक वितरित कर उनका आगामी सत्र हेतु विद्यालय में स्वागत किया गया। विगत सत्र में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को तथा दसवीं तथा

१२वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल के द्वारा भी शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलने हेतु सुझाव दिए गए। पूर्व मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी के द्वारा भी बच्चों को शिक्षा का महत्व बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। विद्यालय की एसएमडीसी अध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता ने भी अपने वक्तव्य में शिक्षा की महिमा के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। नगर पंचायत उपाध्यक्ष मानती सिंह ने भी अपने उद्बोधन में नाव प्रवेशी बच्चों को बधाई देते हुए मिठाई खिलाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते जी, मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल,पूर्व मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष मानती योगेंद्र सिंह, भाजपा महामंत्री अवधेश पांडे,के साथ-साथ अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा बच्चों को तिलक लगाकर तथा मिष्ठान वितरण करके विद्यालय में नए सत्र हेतु प्रवेश दिलाया गया ।कार्यक्रम का मंच संचालन बीपीओ राकेश मोहन मिश्रा के द्वारा किया गया। कक्षा १२ में माही सिंह ,सूर्या गोयल,अदिति जायसवाल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान कक्षा १० में जीनत फातिमा ,नियति जैसवाल,श्रेयांश सिंह ने प्रथम द्वितीय एवम तृतीय स्थान प्राप्त किया ओम भगत अवनी जायसवाल एवम अर्पिता पटवा का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधि एवम पार्षद गण उपस्थित थे, इस दौरान स्वामी आत्मानंद के प्राचार्य देव साय द्वारा, एवं अन्य शिक्षकों के द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत एवं दीप प्रज्वलित कर तिलक लगाकर नव प्रवेशी बच्चों को लड्डू खिलाकर शाला प्रवेश उत्सव मनाया।

छोटी खबरें

कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में आमनागरिको की फरियाद, कुल 116 आवेदन हुए प्राप्त

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर जनदर्शन में आज कलेक्टर अजीत वसंत ने आमनागरिको की समस्याओं को सुना। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को सम्बंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समय-सीमा के भीतर निराकरण के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में कुल ११६ आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर जनदर्शन में आज आधार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, नये स्कूल-आंगनबाड़ी भवन, नौकरी दिलाने, अतिक्रमण हटाने, मुआवजा दिलाने, सीमांकन, पट्टा, खाता विभाजन, रोजगार, उपचार हेतु सहयोग नक्शा बटांकन, आर्थिक सहायता, स्कूल फीस माफ करने, पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर निराकरण के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग और अपर कलेक्टर मनोज बंजारे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पढ़ाई से खिलवाड़- स्कूल में न पानी, न सफाई, बच्चों की सेहत पर मंडरा रहा खतरा

बालको सेक्टर-5 के प्राथमिक शाला की बदहाल व्यवस्था पर प्रतीक्षा साहू ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी - स्कूल तो खुल गए हैं, लेकिन क्या बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल तैयार हुआ है? यह सवाल कोरबा जिले के बालको सेक्टर-५ स्थित शासकीय प्राथमिक शाला की हालत देखकर खुद-ब-खुद उठने लगता है। विद्यालय में २५० से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन वहां की बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव बच्चों की शिक्षा के साथ अब उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी खतरा बन चुका है। विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना के तहत खाना तो बन रहा है, लेकिन स्वच्छ जल की कोई व्यवस्था नहीं है।

पीने के पानी की भी भारी किल्लत है, जिससे बच्चों को संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इससे भी चिंताजनक यह कि विद्यालय में एक भी भृत्य नियुक्त नहीं है। नतीजतन, सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब बताई जा रही है। विद्यालय का खेल मैदान भी बदहाल है। मैदान में चारों ओर गड्ढे और ऊंची घास फैली हुई है, जिससे बच्चों को खेलते समय गिरने और चोटिल होने का खतरा हमेशा बना रहता है। मरम्मत के अभाव में यह मैदान अब खेल की बजाय दुर्घटनाओं का मैदान बनता जा रहा है। स्थानीय नेता प्रतीक्षा कृपाराम साहू ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने स्कूल की अव्यवस्थाओं को शीघ्र दूर करने की मांग की है। साथ ही, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने भी विद्यालय की बदहाल हालत पर नाराजगी जताई है और प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इन बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर कितनी तत्परता दिखाता है।

मिशन अमृत से कोसारटेड़ा बांध का पानी पहुंचेगा घरों तक, कोंडागांव में जल प्रदाय योजना का 33 प्रतिशत काम पूरा

रायपुर। कोंडागांव नगर पालिका में मिशन अमृत 2.0 के तहत जल प्रदाय योजना का काम तेजी से प्रगति पर है। पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए कोंडागांव से 25 किलोमीटर दूर कोसारटेड़ा बांध का पानी लाकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध कर नल कनेक्शन के जरिए घर-घर पहुंचाया जाएगा। कुल 102 करोड़ रुपए लागत की इस जल प्रदाय योजना का अब तक 33 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। आगामी डेढ़ से दो वर्षों में योजना का शत-प्रतिशत काम पूर्ण करने का लक्ष्य है। भारत सरकार के मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत कोंडागांव में पेयजल आपूर्ति के लिए नौ एमएलडी क्षमता का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है। यहां शुद्ध किए गए जल की आपूर्ति शहर में वर्तमान में विद्यमान पांच पानी टंकियों के साथ ही योजना के तहत बनाई जा रही दो नई टंकियों से की जाएगी। मिशन अमृत के अंतर्गत शहर के बांधापारा में 555 किलोलीटर और फॉरेस्ट कॉलोनी के पास 810 किलोलीटर की ओवरहेड पानी टंकियां निमार्णाधीन हैं। शहर की नई और पुरानी पानी टंकियों के जरिए नौ हजार घरों तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जाएगा। कोंडागांव की 40 हजार आबादी को इसका फायदा मिलेगा। कोंडागांव नगर पालिका में पेयजल की सुचारू व्यवस्था के लिए मिशन अमृत के तहत 24 किलोमीटर रॉ-वाटर पाइपलाइन और करीब 11 किलोमीटर क्लियर-वाटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

11 साल बाद मिली मां बनने की खुशी, डॉक्टर की लापरवाही से पहाड़ी कोरवा मंघई बाई और नवजात की मौत

गूंजने से पहले ही थम गई किलकारी परिजनों में आक्रोश, न्याय की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के ग्राम पंचायत चुहिया अंतर्गत भटगांव में स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही ने एक बार फिर आदिवासी समाज की खुशियों को मातम में बदल दिया। पहाड़ी कोरवा समाज की मंघई बाई को ११ वर्षों बाद मातृत्व का सुख मिलने वाला था, लेकिन अजगरबहार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही ने मां-बेटे दोनों की जान ले ली। परिजनों के अनुसार, १५ जून की दोपहर मंघई को प्रसव पीड़ा हुई। १०२ महतारी एक्सप्रेस के जरिए उसे अजगरबहार पीएचसी ले जाया गया, जहां स्टाफ नर्स भुवनेश्वरी चंद्रवंशी ने सामान्य प्रसव कराया। बच्चा मृत पैदा हुआ और कुछ ही देर बाद मंघई की हालत भी बिगड़ने लगी। केंद्र में भर्ती रहने के बावजूद उसकी गंभीर स्थिति को नजरअंदाज किया गया और लगभग ३ घंटे बाद रेफर किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोपहर लगभग २:३० बजे मंघई ने दम तोड़ दिया। मृतका के पति अमर सिंह ने कहा, हमने इस दिन का ११ साल से इंतजार किया था। अगर समय पर इलाज और रेफर किया गया होता तो मेरी पत्नी और बच्चा जिंदा होते। अब हमारे घर में केवल मातम है। हमें न्याय चाहिए। बताया गया कि मंघई पहले से 'उच्च जोखिम' वाली गर्भवती महिला के रूप में चिन्हांकित थी। इसके बावजूद उसका प्रसव प्राथमिक केंद्र में कराया गया। घटना के वक्त अस्पताल प्रभारी डॉ. विमलेश्वरी अनुपस्थित थीं और शाम ५ बजे के बाद पहुंचीं। इसके बाद शवों को जिला अस्पताल भेजने में तीन घंटे से अधिक की देरी की गई, जो सिस्टम की असंवेदनशीलता को उजागर करता है। यह पहली बार नहीं है जब अजगरबहार अस्पताल सवालों के घेरे में आया है। हाल ही में एक सांप काटे मरीज को भी समुचित इलाज न मिलने पर झाड़-फूंक से जान बचानी पड़ी थी। अब बड़ा सवाल यह है कि आदिवासी अंचलों के स्वास्थ्य तंत्र में कब सुधार होगा? क्या पहाड़ी कोरवाओं की जिंदगी की कोई कीमत नहीं है?

दीपका पुलिस की निष्क्रियता से सहमा परिवार, जान-माल की सुरक्षा के लिए कलेक्टर से लगाई गुहार

31 वर्षों से कब्जे वाली भूमि पर जबरन कब्जा, जान से मारने की धमकी के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

कोरबा अम्बिकावाणी - दीपका थाना क्षेत्र में जमीन पर जबरन कब्जा, ताला तोड़कर घुसपैठ और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर मामलों की शिकायत के बावजूद दीपका पुलिस की निष्क्रियता के कारण एक परिवार पूरी तरह दहशत में जी रहा है। न्याय की आस में पीड़ित परिवार ने जिले के कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है।

ग्राम झाबर निवासी कुसुम विश्वकर्मा, पति सुग्रीम विश्वकर्मा, ने बताया कि उनकी भूमि खसरा नंबर १/१, रकबा ०.१२२ हेक्टेयर, सिरकी मोड़ स्थित है, जिस पर पिछले ३१ वर्षों से उनका वैध कब्जा है। इस कब्जे की पुष्टि नायब तहसीलदार दीपका द्वारा दिए गए आदेश से भी होती है। बावजूद इसके, राजू देवांगन नामक कथित और उसके सहयोगी संतोष चौहान, शीत दास, टुकेश गिरी गोस्वामी व अन्य गुंडे, जबरन जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने न सिर्फ ताला तोड़कर अंदर घुसपैठ की, बल्कि कुसुम के पति को जान से मारने की धमकी भी दी। परिवार का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को शिकायत की गई थी, जिसे दीपका थाने को भेजा गया, लेकिन थाना पुलिस ने धारा १५५ के तहत कार्रवाई टाल दी और न्यायालय जाने की सलाह देकर पल्ला झाड़ लिया। पीड़िता ने कहा, हमें इन लोगों से जान का खतरा है, पुलिस अगर पहले ही सख्त कार्रवाई करती तो हालात न बिगड़ते। अब हमारी अंतिम उम्मीद जिला प्रशासन से है। परिवार ने शीघ्र कार्रवाई कर दोषियों पर मामला दर्ज कर उन्हें सुरक्षा देने की मांग की है।

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी: कक्षा 10वीं और 12वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून

चिरमिरी। केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ के लिए कक्षा १०वीं एवं १२वीं (विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग) में सीमित रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यालय के प्राचार्य श्री पाल उदय अरोंग ने बताया कि इच्छुक छात्र १४ जून से २० जून २०२५ तक प्रतिदिन प्रातः ९:०० बजे से दोपहर १:०० बजे तक विद्यालय में उपस्थित होकर ऑफलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश फॉर्म विद्यालय की वेबसाइट https://secl. chirimiri.kvs.ac.in से अथवा विद्यालय के गार्ड रूम से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया केंद्रीय विद्यालय संगठन के दिशा-निर्देशों और सेवा श्रेणी (Cat-१, २, ३) के आधार पर की जाएगी। कक्षा ९वीं एवं ११वीं की वार्षिक परीक्षा में न्यूनतम ५५त्न अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा तथा छात्र द्वारा चयनित विषय संयोजन विद्यालय में उपलब्ध होना चाहिए। प्रवेश केवल नियमों एवं सीटों की उपलब्धता के अनुसार ही प्रदान किया जाएगा।

प्रवेश के लिए कुछ आवश्यक नियमों में शामिल हैं कि छात्र केंद्रीय विद्यालय की सेवा श्रेणी के अंतर्गत पात्र होना चाहिए, कक्षा ९वीं/११वीं की परीक्षा में न्यूनतम ५५त्न अंक अनिवार्य हैं, विषय संयोजन विद्यालय में उपलब्ध होना चाहिए और छात्र को संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुसार पात्रता रखनी चाहिए। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी सेवा प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), कक्षा ९वीं/११वीं के अंक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो और निवास प्रमाण पत्र शामिल हैं। इन सभी दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां निर्धारित तिथि के भीतर विद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। सभी प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां साथ लाना भी आवश्यक है, जिनका सत्यापन उसी दिन किया जाएगा। प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विद्यालय के प्रवेश प्रभारी श्री अश्विनी कुमार शुक्ला (मोबाइलः ८१८२०७०४५६) से संपर्क किया जा सकता है।

बालको ने सुरक्षित कार्यस्थल की संकल्पना को किया मजबूत

कोरबा अम्बिकावाणी - बालको ने सुरक्षित कार्यस्थल की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए डिजिटलीकरण, सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने के साथ ही कर्मचारियों एवं परिवहन भागीदारों में सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित किया है। पूरे प्लांट में मासिक चर्चा एवं जागरूकता कार्यक्रम सुरक्षा संस्कृति को और मजबूती प्रदान करती हैं। एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों तथा डिजिटल सुरक्षा डिस्प्ले के सहयोग से जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर कंपनी के शून्य-हानि दर्शन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। कंपनी औद्योगिक विकास के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा तथा भलाई के प्रति भी पूरी तरह समर्पित है। सुरक्षित कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण सत्र और सेमिनार आयोजित किये हैं। इसका उद्देश्य संयंत्र परिसर में कार्यरत विभिन्न परिवहन भागीदार के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाना था। कोयला एवं ऐश के परिवहन से जुड़े ५० से अधिक ट्रांसपोर्ट भागीदारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। परिवहनकताओं को महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा उपायों से अवगत कराया गया तथा उन्हें सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुपालन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इसके साथ ही कंपनी ने आईएसओ ३९००१ रोड ट्रैफिक सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम (आरटीएस) की शुरूआत की है जिसका उद्देश्य संगठन के भीतर सभी स्तर पर परिवहन सुरक्षा को बेहतर बनाना है। अभियान के तहत सड़क से जुड़ी जोखिमों की पहचान, कानूनी अनुपालन, और सर्वोत्तम सुरक्षा प्रथाओं पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके साथ ही संभावित घटनाओं की गहराई से जांच और विश्लेषण हेतु कंपनी ने इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन ट्रेनिंग का आयोजन किया। इसका उद्देश्य घटनाओं के मूल कारणों की पहचान करना, प्रभावी निवारक उपायों को लागू करना तथा प्रतिभागियों को आवश्यक जांच कौशल प्रदान करना था, ताकि जोखिमों को कम किया जा सके और कार्यस्थल पर सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सके।

कंपनी ने डिजिटलाजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है जिससे प्रचालन का कार्य सुरक्षित व दक्षता के साथ हो रहा है। पॉटलाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआर/वीआर प्रशिक्षण ने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में जटिल कार्यों के लिए तैयार होने में सक्षम बनाया है। मैटेरियल मूवमेंट और कास्ट हाउस के कार्यों का संचालन रियल-टाइम डैशबोर्ड और स्वचालित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाता है। इन्वेंट्री प्रोसेसिंग से लेकर इंटरलॉक प्रोटेक्शन तक डिजिटल टूल टीम को तेजी से निर्णय लेने, जोखिमों की पहचान करने और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में सहायक हैं।

एआई आधारित उन्नत तकनीक ने बालको के फर्नेस में एनोड निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह रोबोट-आधारित तकनीक फर्नेस की रिफ्रेक्टरी संरचनाओं का स्वतः परीक्षण करती है, जिससे घिसाव और क्षति का सटीकता से पता चलता है। एनोड की गुणवत्ता बेहतर और साथ ही संचालन की सुरक्षा भी सुनिश्चित हुई है। बालको के १२०० मेगावाट बिजली संयंत्र में लागू किया गया एआई-संचालित कन्वेयर बेल्ट मॉनिटरिंग सिस्टम सुरक्षा और दक्षता दोनों को बढ़ाता है। यह सिस्टम कन्वेयर की स्वास्थ्य जांच, रियल-टाइम अग्नि अलर्ट और संचालन बेल्ट के पास मानव उपस्थिति की पहचान करता है, जिससे सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है।

तकनीक का उपयोग अब एल्यूमिनियम च्भविष्य की धातुज उत्पादन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है जो उसकी सुरक्षा को सुदृढ़ करता है। ६२ प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण से मैनुअल कार्यो की जगह अब रियल-टाइम डेटा संग्रह ने ले ली है। संसाधनों का कुशल उपयोग संभव हुआ और निर्णय प्रक्रिया भी अधिक डेटा-आधारित हो गई है। मानव एवं मशीन इंटरैक्शन के बीच संतुलन सुनिश्चित हुई जिससे सुरक्षा मानकों को मजबूती मिली है। बालको ने सुरक्षा, स्थिरता और संचालन उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

अम्बिकावाणी

रायपुर, मंगलवार 17 जून, 2025

यदि आपके मार्ग में कोई विघ्न आये तो घबराना छोड़ इसे दूर करने का प्रयास करते रहिए।

0 ब्रह्मकुमारी

संपादकीय

पाकिस्तान पारी से हारा

> भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूरइ के तहत पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का जिक्र करने के लिए क्रिकेट की एक आकषर्क उपमा का इस्तेमाल किया।

कहा कि भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 'पारी से हराइ दिया। जनरल चौहान सावित्री बाई फुले पुणो विविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'भविष्य के युद्ध और संघषइ पर अपना भाषण पूरा करने के उपरांत सीडीएस वहां मौजूद विद्वानों के सवालों का जवाब दे रहे थे। क्रिकेट की उपमा देने से पहले जनरल चौहान ने फुटबॉल मैच का जिक्र किया था। कहा था, 'मान लीजिए आप एक फुटबॉल मैच में जाते हैं, और 4-2 से जीत जाते हैं, प्रतिद्वंद्वी ने दो गोल किए और आपने चार गोल किए।

तो यह बराबरी का मैच रहा। इसके तुरंत बाद उन्होंने रूपक के जरिए शत्रुता के परिणाम के बारे में स्पष्ट रूप से अंतर समझाने के लिए क्रिकेट का सहारा लिया। इस प्रकार भारत के शीर्ष कमांडर ने प्रकारांतर से भारत को हुए नुकसान की बात भी कही जब कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि नुकसान महत्त्वपूर्ण नहीं होता, परिणाम महत्त्वपूर्ण होता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को भारत हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल रहा है, और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए से सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत ने स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। दरअसल, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के नजरिए अब स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले से कुछ रोज पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने भारत को लहुलुहान करते रहने की कुत्सित मंशा जतलाई थी। उसके कुछ रोज बाद ही पहलगाम की बैसरान घाटी में सैलानियों पर हमला करके पाकिस्तान ने अपने कुत्सित मंसूबे को पूरा करने का प्रयास तो किया लेकिन भारत ने पूरी सख्ती से जवाब देते हुए उसकी जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करके मुकम्मल जवाब दे दिया। अब सीडीएस का यह कहना कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वी को हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल पड़ा है, तो यह पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी है कि नहीं संभला तो अपना खासा नुकसान कर बैठेगा। और किसी अन्य देश से मदद लेना भी उसके काम नहीं आने वाला। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ता ने भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा दिया है।

बीज से बाजार तक: किसान कल्याण को समर्पित सरकार

शिवराज सिंह

> *भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है, जहां किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना का एक मजबूत स्तंभ है। जब किसान मिट्टी को जोतता है तो वह सिर्फ फसल नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों के लिए जीवन और समृद्धि का बीज बोता है। कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है।*

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है। किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। आज संपूर्ण देश ऐसी नीतियों और प्रयासों का साक्षी बना है, जो किसानों की समृद्धि व आत्मनिर्भरता के लिए अटूट प्रतिबद्धता दशार्ते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार का हर कदम-हर योजना-हर निर्णय किसानकल्याण के लिए समर्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसानकल्याण के लिएऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; केंद्र सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैनीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत एक ऐसी कृषि व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य उन्मुख हो। पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर आदरणीय प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50त्न मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। कभी धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2013-14 में 1310 प्रति क्विंटल था, जो 2025-26 में बढ़कर ?2369 हो गया है। इसी तरह ज्वार का एमएसपी 1500 से बढ़कर 3699, बाजरा 1250 से 2775, रागी 1500 से 4886, मक्का 1310 से 2400, तूर (अरहर) 4300 से 8000, मूंग 4500 से 8768, उड़द 4300 से 7800, मूंगफली 4000 से 7263, सूरजमुखी बीज 3700 से 7721, सोयाबीन (पीला) 2560 से 5328, तिल 4500 से 9846, रामतिल 3500 से 9537, कपास 3700 से 7710 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। रबी फसलों में गेहूं का एमएसपी 1400 से 2425, जौ 1100 से 1980, चना 3100 से 5650, मसूर 2950 से 6700, रेपसीड/सरसों 3050 से 5950, कुसुम्भ 3000 से 5940, पटसन 2400 से 5650 और कोपरा 5250 से 11582 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ाया गया है। इन सभी फसलों के एमएसपी में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, जिससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। धान की खरीद 45 करोड़ 90 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 76 करोड़ 8 लाख मीट्रिक टन (1.7 गुना), गेहूं

किसानों की उपज का उचित दाम; मोदी सरकार की गारंटी

22 करोड़ 54 लाख से 33 करोड़ 37 लाख (1.4 गुना), दलहन 6 लाख 29 हजार से 1 करोड़ 80 लाख (28.6 गुना), तिलहन 47 लाख 75 हजार से 1 करोड़ 27 लाख (2.7 गुना), वाणिज्यिक फसलें 35 लाख 27 हजार से 80 लाख 83 हजार (2.3 गुना) और सभी एमएसपी फसलें मिलाकर 69 करोड़ 87 लाख से 113 करोड़ 92 लाख मीट्रिक टन (1.6 गुना) हो गई हैं। किसानों को भुगतान की गई एमएसपी राशि भी सभी फसलों के लिए 7 लाख 41 हजार करोड़ से बढ़कर 23 लाख 61 हजार करोड़ रुपये (3.2 गुना) हो गई है। धान के लिए 4 लाख 44 हजार करोड़ से 14 लाख 16 हजार करोड़ (3.2 गुना), गेहूं के लिए 2 लाख 56 हजार करोड़ से 5 लाख 65 हजार करोड़ (2.2 गुना), दलहन के लिए 19 सौ करोड़ से 98 हजार करोड़ (51 गुना), तिलहन के लिए 9 हजार करोड़ से 65 हजार करोड़ (7.1 गुना), वाणिज्यिक फसलों के लिए 26 हजार करोड़ से 1 लाख 33 हजार करोड़ (5 गुना) रुपये का भुगतान हुआ है।ये आंकड़े किसानों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता, किसानों की मेहनत का सम्मान और उनकी आर्थिक मजबूती का प्रमाण हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि दलहन, तिलहन और वाणिज्यिक फसलों जैसे तिल, मूंगफली और सूरजमुखी में भी रिकॉर्ड एमएसपी वृद्धि हो, ताकि किसानों को फसल विविधता का लाभ मिले और उनकी आय में स्थिरता आए। केंद्र सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है।

आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है।सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण 7त्न ब्याज पर उपलब्ध कराया है, समय से चुकाने पर 3त्न अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4त्न रह जाती है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है।

चना, मसूर, उड़द और अरहर जैसी फसलों की खरीद और भुगतान की व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, ताकि किसानों को समय पर उसका पूरा हक मिले।

रोम जल रहा था नीरो बंशी बजा रहा था, राहुल गांधी भी वही कर रहे हैं

अजय दीक्षित

> *ईसा के बाद पहली सदी 55 में रोम में एक शासक हुआ नीरो। उसने अपने पूरे कुल का नाश कर दिया और अंत में रोम में आग लग वादी। इसके बाद वह एक ऊंचे टीले पर बैठ गया और बंशी बजाने लगा।यह बात कांग्रेस नेता एवं लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एक दम सटीक बैठती है। कांग्रेस रूपी रोम का सत्यानाश कर तत्कालीन सम्राट नीरो की भांति ऊलजुलूल व्यानबाजी कर बंशी बजा रहे हैं। उन्होंने 140 वर्ष पुरानी कांग्रेस पार्टी की बंशी बजा दी है।*

नीरो कथानक रोम का बहुत ही प्रतिष्ठित जूलियन क्लाउड्स परिवार का

55 एडी में बंशज होकर शासक हुआ।उसने पूरे परिवार को शनै शनै मार दिया और रोम में आग लगा दी खुद इसे देखकर आनंदित हो कर बांसुरी बजाने लगा। इटली में आज भी इस बकाया को सुनाया जाता है।

भारत की 1885 में स्थापित कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी गयी थी और उस पार्टी ने 70 वर्ष इस देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में शासन किया।राहुल गांधी के परिवार के तीन प्रधानमंत्री बने।उनके पर नाना जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, ।किअब 2025 में राहुल गांधी उसी देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहे हैं जो उनके पुरखों ने स्थापित की ।

2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर प्रश्न चिन्ह, भारत पाकिस्तान युद्ध में सेना पर प्रश्न चिन्ह, वायु सेना के कितने जेट गिरे,सीज फायर पर प्रश्न चिन्ह,संसद का विशेष सत्र, अपने बुजुर्ग नेता शशि थरूर, सलमान खुर्शीद,पी चिदंबरम पर अविश्वास, आदि ऐसे कारनामे में है कि वे नेता प्रतिपक्ष को सारगर्भित नहीं करते ।अब वे आगे आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से हार के अंदेशे से कन्नी काट रहे हैं।

दरअसल 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को आशातीत सफलता हासिल तो नहीं हुई मगर 100 सीट जीतने से सम्मान रह गया और वह नेता प्रतिपक्ष भी बन गए। लेकिन 2014 से अब तक 42 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए जिसमें से एक हिमाचल प्रदेश,एक कर्नाटक,एक तेलंगाना में ही कांग्रेस जीत सकी है। बरना उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, गोवा, ओड़िशा, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर, बिहार, पश्चिमी बंगाल, आंध्र प्रदेश उत्तराखंड,केरल,में दो बार विधानसभा चुनाव हार चुकी है।

देश में पूर्व से पश्चिमी और उत्तर से दक्षिण में ले दे के कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना में सरकार है ।राज्य सभा में सांसदों की संख्या 31 रह गई है।

राहुल गांधी कांग्रेस की इस दशा के लिए नीरो के रोम की तरह जिम्मेदार हैं। वे कितने लोकतांत्रिक व्यवस्था के हामी यह इस घटना से मालूम हुआ था जब संसद द्वारा पारित उनके ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कागज को प्रेस ब्रीफिंग में फाड़ दिया था और सरकार अपना निर्णय बदलना पड़ा था।इस समय कांग्रेस इतनी गयी गुजरी पार्टी हो चुकी है कि महाराष्ट्र में शिवसेना के संजय राउत ने घोषणा की है कि वह अब कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव नहीं लड़ेगी । ममता बनर्जी ने तो कांग्रेस से लोकसभा चुनाव में ही पल्ला झाड़ लिया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी कांग्रेस बोझ समझती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप जैसी छोटी पार्टी ने अलग चुनाव लड़ा। तमिलनाडु, केरल में क्षेत्रीय पार्टी जितनी सीट दे दें वह स्वीकार है।

मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा,में 10-20 साल तक कोई उम्मीद नहीं है।कांग्रेस की सबसे बड़ी परेशानी है कि कोई नया कार्यकर्ता क्यों पार्टी से जुड़े इसका कोई संस्थान नहीं है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, दिग्विजय सिंह, अशोक गहलोत, कमलनाथ, सरीखे उम्र दराज नेता हैं, अंबिका सोनी अभी भी सक्रियता चाहती हैं, मनीष तिवारी,आनंद शर्मा को घर बैठा दिया है।कितनी अनहोनी बात है कि केंद्रीय सरकार ने कांग्रेस द्वारा सुझाए उन नामो को दर किनार कर दिया जो उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने थे जो भारत का पक्ष रखने विदेश जाने थे। क्योंकि राहुल गांधी ने 11 मई को युद्ध विराम के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछा था कि भारत के कितने लड़ाकू विमान

गिर गए। युद्ध में यह महत्वपूर्ण होता है कि कौन जीता है। द्वितीय विश्व युद्ध में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका,रूस यानी मित्र देश मिलकर जापान और जर्मनी से लड़े ।दोनों तरफ के लाखों सैनिक मारे गए क्योंकि युद्ध आठ साल चला था।1944 में अमेरिका द्वारा परमाणु हमला करने के बाद जापान के हिरोशिमा, नागासाकी में एक लाख लोग मर गए तब युद्ध बंद हुआ। लेकिन इंग्लैंड में तत्कालीन प्रधानमंत्री विगीष्टन चर्चिल ने यही कहा कि युद्ध में इंग्लैंड की अर्थ व्यवस्था चरमरा गई। और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।चुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी भी चुनाव हार गई।कहने का मतलब यह है कि युद्ध की समीक्षा तो होती है लेकिन उसकी खोजबीन नहीं करनी चाहिए।

डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका को विश्व के सामने गैर जिम्मेदार देश बना रहे हैं

जब से डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तब से लगातार कभी टैरिफ बार को लेकर,तो कभी यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर,अब ताजा हालत लॉस एंजिल्स और फ्लोरिडा में सेना तैनात कर, विवादों में फंस रहे हैं। इससे पूरे संसार के सामने अमेरिका की किरकिरी हो रही है।वे इतने अस्थिर दिमाग के है कि उनके समर्थक देशों में ट्रंप की कार्यप्रणाली को लेकर चिंता है। नाटो देश भी सकते में हैं। यूरोपीय देशों में व्यापार और सुरक्षा को भ्रम बना हुआ है। नवंबर 2024 के चुनाव से पहले उनके सेकंड मेन इलेन मस्क ने भी उनसे पिंड छुड़ा लिया है। ट्रंप के फैसले ऐसे है कि व्हाइट हाउस में यूएस फाइनेंस सेकेट्री स्टीव बेसेंट और एलन मस्क में मारपीट हो गई है। यदिप डॉनल्ड ट्रंप का 2016 से 2020 तक का पहला कार्य काल इतना खौफनाक नहीं था।2024 में चुनाव से पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर वे पुनः सत्ता में आते हैं तो रूस यूक्रेन युद्ध समाप्त होगा और इसराइल हमास युद्ध भी बंद होगा। लेकिन जनवरी 2025 में कार्यभार संभालने के बाद अमेरिका को उन्होंने व्यापारी बना दिया और चाइना,भारत,पर अनाप शनाप टैक्स आयात पर लगा दिए और उस टैक्स टैरिफ को जुआ खेलने की तरह बढ़ाने लगे फिर समझौता कर लिया। यूक्रेन रूस युद्ध में बातचीत की परन्तु न तो जलेशकी ने मानी न पुतिन ने अंत में यह कहकर पीछे छोड़ दिया कि पुतिन क्रेजी हैं। जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर अमर्यादित भाषा बोली और बिना खाना खिलाए चलता कर दिया।

यूक्रेन की मदद के अबज में खनिज संपदा दोहन का अधिकार हासिल किया। यूक्रेन रूस युद्ध से हाथ खींचने से यूरोपीय देश जर्मनी फ्रांस इटली हंगरी पोलैंड चेकोस्लोवाकिया ब्रिटेन नाराज हो गए और उन्होंने यूक्रेन को युद्ध में हथियार देना जारी रखा है।यहां तक कि नाटो देश का संगठन भी अपने अस्तित्व को समझने में लगा है। अमेरिका अप्रवासियों का देश है यहां पर करोड़ लोगों का काम की आवश्यकता के लिए आते हैं। लॉस एंजिल्स संकट भी इसी से जुड़ा है। अप्रवासियों के लिए नए नए नियम बनाए जा रहे हैं जबकि कई लाख अप्रवासियों की तीसरी पीढ़ी कार्य कर रही है। हार कर इन लागों ने फेडरल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है तो ट्रंप ने सेना तैनात कर दी है। अमेरिका विश्व की 31 त्रियलन डॉलर की इकोनॉमी है इसमें अप्रवासियों का बहुत योगदान है।

अमेरिका में बहुत बड़ा बाजार है और सबसे बड़ा खरीददार भी है जिसमें फामार्सेटिकल, ऑटोमोबाइल, पेट्रोलियम पदार्थो, कपड़ों,का बहुत से अन्य भी शामिल हैं। अमेरिका पूरे यूरोपीय देशों को गोला बारूद, स्नाइपर्स, लड़ाकू विमानों, यात्री विमान, हेलिकाप्टर, रेल सड़क परिवहन निर्माण कार्यक्रम भी करता है।

0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1354

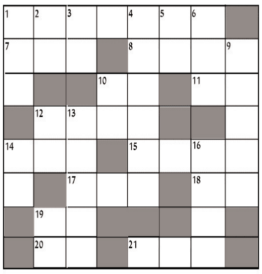

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध तथा प्रतिभाशाली अभिनेता है जिनका 20 जुलाई 1950 को जन्म दिन है (7)
7. स्वभाव, प्रकृति, जीवन चरित (3)
8. पाठशाला, विद्यालय (4)
10. आला, घात प्रतीक्षा, भांप (2)
11. नजीता, परिणाम (2)
12. रास्ते से भटका हुआ, जो मार्ग भूल गया हो, मार्गभ्रष्ट (4)
14. लेखनी, कर्णिका, हस्तलेख (3)
15. राहनुमा, पथ प्रदर्शक (4)
17. शिक्षा देने की क्रिया या भाव, पढ़ाई, दीक्षा, तलकीन (3)
18. पथ, मार्ग, रास्ता, डगर (2)
19. दो की संख्या, निग्रह, एक कर्मसाक्षी देवता (2)
20. कुपोषण, एक प्रकार का रोग, नाश (2)
21. पश्चिमी अफ्रिका के उभार के तट पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है, उदान वायु (3)

ऊपर से नीचे

1. प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य (3)
2. खुदकाश्त कृषि, हल (2)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. उपकार न मानने वाला, कृतघ्न, निष्ठाहीन, विश्वासघाती (6)
5. प्रसन्न, हर्षित, खुश, आनंदित (3)
6. अक्षर, वर्ण (3)
9. जन्मदिन, वर्षगांठ, जन्मदिवस (5)
10. बृहस्पति की पत्नी, नक्षत्र, सुषेण की कन्या और बाली की पत्नी का नाम (2)
12. फूल, कुसुम, प्यास की तीव्रता, आंख की फूली (2)
13. ममततापूर्ण, स्वजन भावनापूर्ण, अपनत्व (5)
14. फन, हुनर (2)
16. समकक्ष, जय पराजयहीन, समाकार, समान अंशीय (4)
19. एक देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)

वर्ग पहेली 1353 का हल

मं	ग	ल	पां	डे			ड
ग	ल	त		बु	डा	पे	स्ट
ला			बे	क	ल		र
च		गु	रू		ना	टा	
र	वा		त	क्ष		ल	क्ष्य
ण		पा		मा	लू	म	
	जू		का	शी		टो	टा
नी	ल	क	म	ल		ल	ट

एकदा

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संसद को कोई भी कानून बनाने से पहले यह कर लेना चाहिए कि वह संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार का हनन तो नहीं कर रही है यद्यपि संसद बहुमत से कोई कानून बना सकती है या उसमें आंशिक तौर या पूर्ण परिवर्तन कर सकती है लेकिन अगर यह विषय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचार के लिए लाया जाएगा और मामला यह सिद्ध होगा कि किसी धर्म या व्यक्ति या व्यक्तियों के मौलिक अधिकार का हनन होता है तो उस राष्ट्रपति के आदेश की विवेचना का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को भारत का संविधान अनुच्छेद 51 में देता है और सर्वोच्च न्यायालय उस कानून का समाप्त कर सकता है। यह खतरनाक हथियार अनुच्छेद 141के तहत भारत संघ में है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने भी इसे 143 धारा को न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में घमासान का कारक बताया है और कहा है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले जले नोटो के संबंध में प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का क्या कारण है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक (ङ्करूद्बद्वष्ठ) एकीकृत वक्फ प्रबन्धन शसक्तीकरण दक्षता विकास बिल या कानूनों के दो प्रावधानों को लेकर भारत की न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में ठन गई है और मोर्चा संभाला है चीफ जस्टिस खन्ना और उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

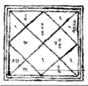

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज बिजनेस में नए कामों को लेकर बनाई योजनाओं पर काम होगा। सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। भूमि तथा वाहन से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों में सुधार आएगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका स्वाभिमान और हिम्मत आपकी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। आपके इसी स्वभाव की वजह से घर तथा बाहर मान-सम्मान बना रहेगा। अनुभवी तथा जिम्मेदार लोगों का मार्गदर्शन आपको और अधिक मजबूत बनाएगा। इस राशि के स्टूडेंट अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज पिछले कुछ गलतियों से सीख लेकर अपनी वर्तमान कार्य प्रणाली में सुधार लाएंगे। इससे आपको अपने कामों को उचित तरीके से करने में सहायता मिलेगी। आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवस्थित दिनचर्या रहने और उसके बेहतर परिणाम मिलने से मन में संतुष्टि का भाव बना रहेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में भी कुछ समय बीतेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी व्यवस्थित कार्यप्रणाली के बेहतर परिणाम मिलने वाले हैं, इसलिए खूब मन लगाकर मेहनत करेंगे । राजनीतिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता और वर्चस्व बढ़ेगा। साथ ही आप अपनी फिटनेस पर भी समय देंगे। आज वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज घर में रख-रखाव या सुधार संबंधी कोई योजना बन रही है, तो उसमें वास्तु के नियमों का अवश्य प्रयोग करे। इस समय आपकी कोई बड़ी समस्या भी हल हो सकती है।

तुला राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज बिजनेस में काम करने के तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत और एकाग्रता की जरूरत रहेगी। मुश्किल वक्त में किसी काबिल इंसान की सलाह लेना अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। घर तथा व्यवसाय दोनों जगह उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे तथा व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकालने में सफल रहेंगे। व्यक्तिगत संबंधों में घनिष्ठता आएगी। बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद व स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में किसी काम को कल पर न टालकर सही समय पर काम शुरू करने की कोशिश करेंगे तो आपको ज्यादा लाभ होगा। आपकी अंदरूनी व्यवस्था बनी रहेगी और इनकम भी बढ़ेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। आज आपकी किसी योजना को साकार रूप मिलने वाला है। इसलिए अपने प्रयासों में कमी ना आने दे।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज मार्केटिंग संबंधी काम पूरा करने पर ज्यादा ध्यान देंगे। आज सभी व्यावसायिक काम सुचारू रूप से होते जाएंगे, इसलिए अपनी पूरी मेहनत व ध्यान अपने कामों पर ही केंद्रित रखें। नौकरी कर रहे लोगों के लिए ऑफिस का वातावरण अच्छा रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज इनकम बढ़ाने की दिशा में चल रही कोशिश सफल होने के योग है। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा।

जब एसी और कूलर नहीं थे तब इन तरीकों से लोग करते थे अपने घर को ठंडा?

ईंट-सीमेंट के बने घरों में कूलर-एसी के बिना बैठना मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि पहले जब ये चीजें नहीं, तो लोग अपने घर को कैसे ठंडा रखते हैं। यहां आज हम आपको उन्हीं घरेलू तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मी का मौसम में कूलर और एसी के बिना घर में सोना तो दूर बैठना और लेटना मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आपके दिमाग में कभी यह प्रश्न आया कि जब मार्केट में ये चीजें दूर-दूर तक नहीं थी। उस दौरान हमारे पूर्वज अपने घरों को कैसे ठंडा रखते थे। यकीनन यह प्रश्न हमें यह सोचने पर मजबूर कर सकता है आखिर ऐसा कैसे। केवल हाथ वाले पंखे के सहारे वह पूरी गर्मी बिता देते है। लेकिन अब तक एक मिनट के लिए अगर लाइट कट जाए, तो कमरे में रहना मुश्किल हो जाता है। बता दें कि बिना एसी और कूलर के भी आप घर को ठंडा रखना कोई बड़ी बात नहीं है। इसके लिए बस आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सदियों पहले ऐसे कई देसी नुस्खे अपनाएं जाते हैं, जिसकी मदद से घरों को ठंडा रखा जाता था। ये हैक्स न केवल उस दौर में बल्कि आज के समय में भी कारगर साबित हो सकते हैं। साथ ही आप इन तरीकों से अपने घर का बिजली का बिल भी बचा सकती हैं।

मिट्टी और चूने से बने घर

घर बनवाते समय लोग आने वाले समय को देखते हुए बदलाव या डिजाइन करवाते है। पहले के समय लोग अपने घरों को बनाते समय मिट्टी, पत्थर और चूना का इस्तेमाल करते थे। मिट्टी से बनी मोटी दीवारें सूरज की सीधी किरणों को घर के अंदर से रोकने का काम करती है। साथ ही चूना नेचुरल कूलिंग एजेंट का काम करता है। ये दोनों चीजें दिन में गर्मी को अंदर आने से रोकती थी। रात में अंदर की ठंडक को बाहर नहीं निकलने देती थी, जिससे घर ठंडा रहता था। अगर आप नया घर बनवा रहे हैं, तो दीवारों की मोटाई पर खास ध्यान रखें। वर्तमान में लोग मिट्टी के बजाय ईंटों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप दीवारों को इंसुलेट करवा सकते हैं।

घर की छतों को रखें ऊंचा और मोटा

पुराने घरों में छतें बहुत ऊंची बनाई जाती थी। गर्म हवा हमेशा ऊपर की ओर उठती है, इसलिए ऊंची छतें गर्म हवा को ऊपर जमा होने देती थी, जिससे नीचे रहने वाले लोगों को ठंडक महसूस होती थी। अगर संभव हो तो अपने घर की छतों को ऊंचा बनवाएं। साथ ही वेंटिलेशन के लिए छत के करीब खिड़कियां बनवाएं, जिससे गर्म हवा बाहर निकल सके।

खस और घास के पर्दे या चटाई

पहले के लोग खिड़कियों और दरवाजों पर खस की चटाई या परदे लगाते थे। इन पर समय-समय पर पानी छिड़का जाता था। जब गर्म हवा इन नम खस परदों से होकर गुजरती थी तो पानी के वाष्पीकरण से हवा ठंडी हो जाती थी। आप अपनी बालकनी या खिड़कियों में बांस के पर्दे या खस की चटाई लगाने के साथ पानी का छिड़काव करें।

सफेद रंग से करें पुताई

पहले के समय लोग रंग-बिरंगे कलर की जगह घरों की बाहरी दीवारों को सफेद रंग से रंगा जाता था। सफेद रंग सूर्य की किरणों को रिफलेक्ट करता है, जो दीवार को गर्म होने से रोकती है। साथ ही घर के अंदर का तापमान कम रहता है। ऐसे में आप अपनी छत और बाहरी दीवारों पर हल्के रंग की पुताई करके घर को ठंडा रख सकती हैं।

पेड़-पौधे और बेलें

पहले समय लोग अपने घर के आस-पास पेड़-पौधे लगा कर रखते थे। ऐसे में पेड़ सीधे धूप को घर पर पड़ने से रोकते थे। साथ बेल वाले प्लांट दीवारों पर छांव का काम करती थी, जिससे दीवारें गर्म नहीं होती थी। अब ऐसे में आप अपने घर के आस-पास पेड़-पौधे लगा सकते है।

अपने पति के साथ मिलकर अपनाएं ये स्मार्ट फाइनेंशियल हैबिट्स

आज के समय में पति-पत्नी दोनों मिलकर पैसा कमा रहे हैं। पत्नियां अब घर संभालने के साथ-साथ बड़े फाइनेंशियल फैसले भी ले रही हैं। वहीं, अगर आप अपने फ्यूचर को सेफ एंड सिक्योर करना चाहती हैं, तो आपको अपने पति के साथ मिलकर आज से ही ये 6 स्मार्ट फाइनेंशियल हैबिट्स को अपनाना चाहिए।

पहले जमाने में भारतीय घरों में वित्त से जुड़ी सभी जिम्मेदारियों का बोझ पतियों पर डाल दिया जाता था। लेकिन, बदलते समय के साथ अब पत्नियां भी कमाने लगी हैं और घर चलाने से लेकर सभी बड़े फैसले भी लेने लगी हैं। ऐसे में फाइनेंशियल प्लानिंग भी दोनों को साथ मिलकर करना बहुत जरूरी है। स्रद्वसद्वद्यद्धह्4 की 2022 रिपोर्ट के अनुसार, जो कपल्स हर महीने पैसों पर बात करते हैं, उनका रिश्ता और समझदारी दोनों बेहतर होती है। जब आप पति के साथ मिलकर फाइनेंशियल प्लानिंग करती हैं, तो यह आपका बैंक बैलेंस ही नहीं, बल्कि भरोसा भी बढ़ता है। आज हम आपको 6 स्मार्ट वित्तीय आदतें बताने वाले हैं, जिनको अपने पति के साथ मिलकर अपनाने से आपका फ्यूचर सेफ एंड सिक्योर हो सकता है।

पैसों को लेकर बात करें

भारत में अक्सर पति-पत्नी भी आपस में पैसों को लेकर खुलकर बात करने से परहेज करते है। लेकिन, जब दो लोग साथ में जिंदगी बिता रहे होते हैं, तो उनका पैसों को लेकर चुप रहना नहीं है। आप अपने पति के साथ बैठकर पैसों से जुड़ी बातें खुलकर कर सकती हैं। जैसे- आप कितना कमाते हैं, कहां खर्च होता है, कोई लोन या EMI तो नहीं, क्या आप सेविंग्स करते हैं? इन सवालों के जवाब पार्टनर की तरफ से जानना जरूरी होता है।

सपने अकेले नहीं, मिलकर पूरे करें

अगर आपका सपना है कि आप खुद का घर या गाड़ी खरीदना चाहती हैं, छोटा बिजनेस शुरू करना चाहती हैं या इंटरनेशनल वेकेशन पर जाना चाहती हैं, तो अपने पति के साथ मिलकर सपना देखें और उसे मिलकर ही पूरा भी करें। जब पति-पत्नी मिलकर कोई गोल सेट करते हैं, तो एक टीम की तरह काम करते हैं। आप अपने गोल्स को तीन हिस्सों में बांट सकते हैं, ताकि आपको अचीव करने में आसानी हो जाए।

साथ में बनाएं इमरजेंसी फंड

जिंदगी में कभी भी कुछ भी हो सकता है। इसकी तैयार पहले से करनी जरूरी है और आपको इसके लिए इमरजेंसी फंड तैयार करना चाहिए। आप पति के साथ मिलकर हर महीने कुछ पैसा अलग रख सकती हैं ताकि जरूरत पड़ने पर 3 से 6 महीने आराम से कट जाएं। इस फंड को ऐसे अकाउंट में रखना चाहिए, जहां ब्याज ज्यादा मिलता हो।

समझदारी और मिलजुलकर करें इन्वेस्ट

आज के समय में लोग SIP, FD (फिक्स्ड डिपॉजिट) और LIC पॉलिसी जैसी चीजों पर इन्वेस्ट करना पसंद करते हैं। ऐसे में आप अपने पति के साथ मिलकर शुरुआत में छोटा-सा निवेश शुरू कर सकती हैं और इन्वेस्टमेंट के स्मार्ट ऑप्शन्स चुन सकती हैं।

SIP - हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा म्यूचुअल फंड में लगाएं

PPF - टैक्स बचत और रिटायरमेंट की तैयारी

NPS - रिटायरमेंट के बाद पेंशन फंड

Health Insurance और Term Insurance - इमरजेंसी के समय काम आने वाला फंड

दोनों के नाम पर बीमा करवाएं

आमतौर पर वर्किंग पर्सन अपने नाम पर बीमा करवा लेते हैं, लेकिन घर संभालने और चलाने वाले की भी भूमिका अहम होती है। इसलिए, पति-पत्नी दोनों के नाम बीमा होना चाहिए, ताकि इमरजेंसी में फैमिली को वित्तीय बोझ न उठाना पड़े। आप चाहें तो फैमिली फ्लोटर हेल्थ इंश्योरेंस करवा सकती हैं। अपनी फैमिली के लिए क्रिटिकल इलनेस कवर ले सकती हैं और दोनों के नाम पर टर्म इंश्योरेंस करवा सकती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग

कई बार लोग नौकरी करते रहते हैं, लेकिन रिटायरमेंट की प्लानिंग नहीं करते हैं। सच्चाई यह है कि नौकरी शुरू करने के साथ ही हमें रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू कर देनी चाहिए। शादी के बाद आपको अपने पति के साथ मिलकर रिटायरमेंट प्लानिंग करनी चाहिए। आप दोनों के नाम Public Provident Fund या National Pension Scheme अकाउंट खोल सकती हैं। उसके लिए आपको पहले तय करना होगा कि रिटायरमेंट के समय आपको कितना पैसा चाहिए होगा।

बिना चलाए भी फट सकता है बाथरूम में लगा गीजर, खतरे से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

ठंडी में गर्म पानी की सुविधा के अनूमन लोग अपने बाथरूम में गीजर लगाते हैं। वहीं गर्मी का सीजन आते ही लोग इसका इस्तेमाल करना बंद कर देते हैं। अगर आपके यहां भी गीजर लगा है, तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अन्यथा आपका बाथरुम कभी-भी आग का गोला बन सकता है।

ठंड में बार-बार पानी गर्म करने वाली दिक्कत से बचने के लिए गीजर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन गर्मी में इसकी जरूरत कम हो जाती है। अब ऐसे में लोग इसे बंद कर देते हैं। अमूमन लोगों तो लगता है कि इसे सुरक्षित रखने का इससे अच्छा तरीका कोई नहीं है। लेकिन क्या आप जानती हैं, कि गीजर बंद करते समय अगर आप जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखती है, तो इसे आग का गोला बनने में वक्त नहीं लगेगा। हो सकता है, कि आपको मेरी बात मजाक या अजीब लग रही हो। बहुत से लोग सोचते हैं कि गीजर तभी खतरनाक हो सकता है, जब वह ऑन मोड पर रहे। लेकिन आपको बता दें कि यह बहुत बड़ी गलतफहमी है। अगर आपने अपने घर में गीजर लगा रखा है तो इससे होने वाले खतरे से बचना चाहती हैं, तो इस लेख में आज हम आपको कुछ ऐसे सावधानी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे फॉलो आप खुद और परिवार को सुरक्षित रख सकती है।

गीजर क्यों होता है ब्लास्ट?

आमतौर पर गीजर ब्लास्ट होने वाली समस्या पानी के तापमान के बढ़ने और दबाव बढ़ जाता है। वहीं गर्मी में इसके ब्लास्ट होने के पीछे का मुख्य कारण गीजर में थर्मोस्टेट का खराब होना है। गीजर को सेफ रखने के लिए थर्मोस्टेट को 50-60 डिग्री के बीच सेट करें। साथ ही पानी हीट होने के बाद गीजर को बंद कर दें।

स्विच की जगह एमसीबी का करें इस्तेमाल

अगर आपने गीजर को ऑन-ऑफ करने के लिए स्विच को लगा रखा है, तो उसे बदलकर एमसीबी लगवाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि स्विच बोर्ड ज्यादा पावर को कंट्रोल नहीं कर पाता है और ब्लास्ट या शॉर्ट सर्किट हो जाता है। वहीं एमसीबी बिजली के ओवरलोड या शॉर्ट सर्किट होने पर अपने आप बंद कर देता है। जब कभी-भी अचानक से बिजली का लोड बढ़ जाता है, तो एमसीबी तुरत ट्रिप होकर बिजली की सप्लाई रोक देती है, जिससे आपके उपकरण और वायरिंग सुरक्षित रहते हैं।

गीजर के मेन कनेक्शन को करें डिस्कनेक्ट

अमूमन लोग गीजर को बंद करने के लिए स्विच बंद कर देते हैं। लेकिन आपको बता दें यह काफी नहीं है। अगर आप लंबे समय के लिए इस्तेमाल करना बंद कर रहे हैं, तो स्विच बोर्ड के साथ-साथ इसका मेन कनेक्शन भी डिस्कनेक्ट करें ताकि किसी भी प्रकार का गीजर में करंट पास न हो।

सर्विस पर दें ध्यान

अगर बाथरूम में लगा गीजर ज्यादा पुराना है, तो उसकी खास सर्विसिंग की जरूरत होती है। अब ऐसे में कोशिश करें 4-5 महीने के बीच इसकी सर्विस करवाएं। इसके अलावा अगर इसमें करंट या किसी अन्य प्रकार की दिक्कत होती है, तो उसे बीच-बीच में जरूर चेक करें। ऐसा करने से आप असमय होने वाले खतरे से बचा सकती हैं।

गर्मी में ऑफिस-कॉलेज के लिए चुनें ये 4 कैजुअल वियर

स्ट्रेट फिट जीन्स एंड टी शर्ट को पहनकर आप अपने कॉलेज जा सकती हैं और अपनी खूबसूरती से सभी दोस्तों को खुश कर सकती हैं।

गर्मी का मौसम में अधिकतर लड़कियां ढीले ढाले और आरामदायक आउटफिट पहनना पसंद करती है। गर्मी में कैजुअल वियर देख रही है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसे लेटेस्ट कैजुअल वियर आउटफिट बताएंगे, जिन्हें आप अपने ऑफिस या कॉलेज में पहनकर जा सकती है।

ब्लू लूस फिट जीन्स एंड स्क्वायर नेक टॉप

अगर आप गर्मी की तेज चिलचिलाती धूप में रोजाना ऑफिस जाती है, तो अब आप इस तरह के ब्लू लूस फिट जीन्स एंड स्क्वायर नेक टॉपको पहनकर जा सकती है। यह आपको न सिर्फ स्टाइलिश लुक देगा, बल्कि इसे पहनकर आप बेहद आरामदायक महसूस करेंगी। इस तरह के कैजुअल वियर को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

नीली स्ट्रेट फिट जींस एंड टी शर्ट

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और गर्मी के मौसम में कंफर्टेबल लुक क्रिएट करने के लिए आप इस तरह के कैजुअल वियर को भी ट्राई कर सकती है नीली आप इस तरह के कैजुअल वियर के साथ शूज या स्नीकर्स भी शामिल कर सकती हैं।

लूस फिट ब्लू जीन्स एंड स्लीवलेस क्रॉप टॉप

गर्मी के मौसम में अगर आप ढीले ढाले कपड़े पहनना चाहती है, तो आपके लिए यह कैजुअल वियर बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। लूस फिट ब्लू जीन्स एंड स्लीवलेस क्रॉप टॉप को पहनकर आप अपने ऑफिस या कॉलेज जा सकती हैं। यही नहीं आप अगर फैमिली के साथ कहीं घूमने जा रही है, तो भी आप इस तरह के कैजुअल वियर ट्राई कर सकती हैं। यह आपके लुक को गॉर्जियस बनाने में मदद करेंगे।

स्ट्रेट फिट जींस एंड टी शर्ट

गर्मी के मौसम में अगर आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने वाली है, तो जाने से पहले आप अपने सूटकेस में इस तरह के कैजुअल वियर रख सकती है। स्ट्रेट फिट जींस एंड टी शर्ट पहनकर आप स्टाइलिश और मॉडर्न लुक क्रिएट कर सकती है साथ ही आरामदायक भी महसूस कर सकती हैं। आप इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

सरपंच संघ के अध्यक्ष बने शिवप्रसाद

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विकासखंड स्तरीय सरपंच संघ का चुनाव रविवार को गोंडवाना भवन में सम्पन्न हुआ। चुनाव में ग्राम पंचायत डुगला के सरपंच शिवप्रसाद सिंह भारी मतों से जीतकर सरपंच संघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 64 सरपंचों ने मतदान किया। अध्यक्ष पद के लिए अमृत सिंह ग्राम भौता, मोती सिंह ग्राम लोहारी तथा सोनू सिंह ग्राम चनवारीडांड ने भी दावेदारी की थी, लेकिन शिवप्रसाद सिंह ने सभी को पछाड़ते हुए यह पद अपने नाम कर लिया। गोंडवाना भवन में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई। नव निर्वाचित अध्यक्ष को सरपंचों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे पंचायतों की समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे।

डीईओ कार्यालय का कांग्रेस ने किया घेराव, सूची निरस्त नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तकरण को लेकर जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय का घेराव करते हुए ज्ञापन सौंपकर सेटअप को वापस लिए जाने की मांग की।

कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा नगर के गांधी चैक से शिक्षा न्याय यात्रा निकाली गई जिसमें नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता आत्मानंद स्कूल परिसर में स्थित डीईओ

कार्यालय पहुंचे जहां पुलिस द्वारा पहले से ही मेन गेट के अंदर और बाहर बेरीकेट्स लगाकर कांग्रेसियों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन बेरीकेट्स को गिराते हुए कार्यकर्ता अंदर दाखिल हुए और युक्तियुक्तकरण में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने जिला शिक्षाअधिकारी के साथ बीईओ और डीईओ कार्यालय के बाबू उपाध्याय पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपने लोगों को बचाने के लिए, मंत्री और कलेक्टर को खुश करने फर्जी सूची बना दी गई है। सूची में विसंगति है उसे निरस्त किया जाए। पुरानी पद्धति से युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया अपनाई जाए। कमरो ने सूची निरस्त नहीं किए जाने पर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण करके लगभग 10 हजार विद्यालयों को बंद किया गया है साथ ही 45 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद समाप्त कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में व्यापक पैमाने में शिक्षा के नाम पर हुए भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस द्वारा डीईओ कार्यालय का घेराव किया गया है। पूर्व नपाध्यक्ष राजकुमार केशरवानी नेयुक्तियुक्तकरण में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि केवल बीईओ को सस्पेंड कर बली का बकरा बनाया गया है। उन्होंने सवाल उठाए कि क्या बिना डीईओ के एनओसी के युक्तियुक्तकरण हो सकता है। पूर्व नपाध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार में शिक्षा के स्तर को नीचे गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण में विसंगति से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी, जिसे कांग्रेस कदापि बर्दाश्त नहीं करेगी और आने वाले समय में इसका और भी पुरजोर तरीके से विरोध करेगी। प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा कि युक्तियुक्तरण में शिक्षा अधिकारी भ्रष्टाचार का खेल खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीईओ को सस्पेंड किया गया है वहीं डीईओ को भाजपा सरकार ने बचा रखा है। डीईओ कार्यालय घेराव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज आंधी-बारिश से क्षति, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े ने किया प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। गत दिवस जिले में आए तेज अधड़ और बारिश ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। कोरिया जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने घरों को नुकसान पहुंचाया है। अनेक घरों के छप्पर उड़ गए, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से बैकुंठपुर जनपद के अंतर्गत आने वाले गांवों में सबसे अधिक नुकसान की खबरें आई हैं। तेज हवाओं के चलते पेड़ उखड़ गए और कच्चे-पक्के मकानों को क्षति पहुँची। कई गरीब परिवारों के आशियाने उजड़ गए। इन हालातों की जानकारी मिलते ही कोरिया जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से जिन परिवारों को नुकसान हुआ है.

युक्तियुक्तकरण के विरोध में कांग्रेसियों ने किया जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव

कोरिया बैकुंठपुर - राज्य सरकार द्वारा शैक्षिक संस्थाओं पर लागू किए गए नए आदेश झ च्युक्तियुक्तकरण आदेशज्ञ झ ने राज्यभर की राजनीति गरमा दी है इसी आदेश के विरोध में कॉन्ग्रेस ने, आज जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय से च्शिक्षा न्याय यात्राज निकाली गई, जो जुलूस की शक्ल में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय तक पहुंची, जहां कॉन्ग्रेसियों जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। युक्तियुक्तकरण आदेश के तहत लगभग १०४६३ शासकीय विद्यालय बंद किए जाने प्रस्तावित हैं, जिसके फलस्वरूप लगभग ४५ हजार शिक्षक, शाला कर्मचारी, सफाईकर्मी, मध्याह्न भोजन बनाने वाली महिलाओं सहित असंख्य लोगों की रोजगारी प्रभावित होगी।

जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने युक्तियुक्तकरण पर असंतोष जाहिर किया। उनके अनुसार, आदेश लागू होने पर गांव-गांव तक शैक्षिक सुविधाएँ प्रभावित होंगी, आदिवासी, गरीब, दलित वर्ग अधिकतर इसका शिकार होंगे, उनके

बच्चों का भविष्य अधर में रहेगा, साथ ही शाला कर्मचारियों की रोजगारी पर असर पड़ेगा आदेश वापस होने तक शिक्षा न्याय आंदोलन जारी रहेगा। कार्यक्रम ने दर्शा दिया कि शैक्षिक असंतुलन फैलाकर राज्य सरकार लोगों की उम्मीदें नहीं कुचल सकती, कॉन्ग्रेस इसका पुरजोर विरोध करती हैं। राज्यभर में घेराओ कार्यक्रम ने शैक्षिक आदेश पर एकजुट होकर इसका विरोध किया। इस आन्दोलन ने साफ किया कि कॉन्ग्रेस शासकीय आदेशों पर चट्टान की तरह खड़ी रहेगी, ताकि गरीब, आदिवासी, दलित वर्ग की शैक्षिक सुविधाएँ सुरक्षित रहेँ, उनके भविष्य पर कोई आंच न आने पाए। शिक्षा न्याय आंदोलन में मौजूद जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव, पूर्व जिला अध्यक्ष यवत सिंह, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, संयुक्त महामंत्री वेदांती तिवारी, महामंत्री बृजवासी तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेसी मुख्तार अहमद, जनपद पंचायत अध्यक्ष उदय सिंह, लालमुनि यादव समेत सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202506330400002
मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषयः- अ-6 सनः- 2024-2025
मनेन्द्रगढ़ प.ह.नं. 00014
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - काशी प्रसाद गुप्ता, हितेश कुमार गुप्ता, सीमा गुप्ता, रितेश कुमार गुप्ता, श्रद्धा गुप्ता।
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन
जावक क्र./1900/वाचक-04/2025, दिनांक 12/06/2025

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदकगण काशी प्रसाद गुप्ता आ. स्व. रामदेव, निवासी वार्ड नं. 19, काली मंदिर रोड, मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. व अन्य 04 द्वारा संयुक्त आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि मनेन्द्रगढ़ स्थित नजूल प्लाट नंबर 422/23बी रकबा 770 वर्गफीट भूमि स्व. सावित्री पति काशी प्रसाद गुप्ता के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। भूस्वामी सावित्री पति काशी प्रसाद गुप्ता की मृत्यु दिनांक 16/08/2013 को हो चुकी है। जिससे कि आवेदकगण मृतक भूस्वामी के विधिक वारिसान होने के फलस्वरूप उक्त भूमि को आवेदकगण के नाम से फौती नामान्तरण दर्ज कराने हेतु निवेदन किये हैं।

उक्तानुसार आवेदित भूमि का फौती नामान्तरण दर्ज किये जाने पर किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो, वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 23/06/2025 को प्रातः 11.00 बजे तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/06/2025 को जारी किया जाता है।

लिंगराज सिदार
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.........../अ-02/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भगवान दास बंसल पिता स्व. नंदराम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी महामाया रोड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 162/40 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 02/07/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

नाम परिवर्तन/ संसोधन सूचना

मैं सुहानो आत्मज श्री तिलक राम उम्र 21 वर्ष जाति गोंड़, निवासी ग्राम-घाटबर्रा थाना व तहसील उदयपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.) है। मेरा वास्तविक नाम मेरे कक्षा 10वीं की अंकसूची क्र. 20078801 में सही नाम सुहानो आत्मज तिलकराम अंकित है। लेकिन मेरे आधार परिचय पत्र क्र. 2630 3481 2446 मे मेरा नाम त्रुटिवश सुहानो की जगह सुनीता अंकित कर दिया गया है जिससे मुझे अपूर्णणीय क्षति का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मैं अपने आधार परिचय पत्र क्र. 2630 3481 2446 में अपना नाम परिवर्तित सुहानो कराना चाहती हूं।

सुहानो
आत्मज तिलकराम गोंड
निवासी ग्राम-घाटबर्रा
थाना-तहसील-उदयपुर
जिला सरगुजा (छ.ग.)

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल" डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

- S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
- सैलरी - योग्यतानुसार
- बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
- स्थानीय युवकों को वरीयता

पता - "श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/.........../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण तीरथ चौधरी आ. राम प्रसाद चौधरी, सुखलाल आ. स्व. तिलकधार, निवासी वार्ड नं. 31, शीतला वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के नानी स्व. धिराजोबाई पिता स्व. सुदन चमार के नाम पर मोहल्ला सत्तीपारा, शीतला वार्ड नं. 31 में स्थित भूमि खसरा नं. 3375 रकबा 1.62 एकड़ भूमि बन्दोबस्त हुआ है। स्व. धिराजोबाई पिता स्व. सुदन चमान की मृत्यु हो गई है।

उक्त भूमि स्व. सुदन चमार के द्वारा अपने जीवनकाल में बंटवारा कर दिया गया था। उक्त बंटवारा के पश्चात उक्त खसरा नं. 3375 में शेष रकबा 0.03 एकड़ भूमि शेष है। अतः उक्त शेष रकबा में आवेदकगण द्वारा स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा स्व. धिराजोबाई की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/05/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1302/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-कुदमुरा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय कुदमुरा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001031 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत कुदमुरा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1299/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-फुलसरी जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय फुलसरी जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001037 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत फुलसरी का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1301/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-पतरापाली जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय पतरापाली जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001071 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत पतरापाली का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० 2025062621000 अ-6/ 2024-2025

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम अजबनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौरांग मांझी (विश्वास) आ० स्व० अतुल मांझी उम्र लगभग 61 वर्ष व दिलीप माझी (विश्वास) आ० स्व० अतुल मांझी दोनों निवासी ग्राम अजबनगर पो० अजबनगर थाना जयनगर तहसील लटोरी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम अजबनगर स्थित भूमि ख०नं० 323, 361, 362 रकबा क्रमश 2.00, 1.0, 4.00 कुल प्लाट योग रकबा 03 कुल रकबा 7.00 हे० भूमि को आवेदकगण के पिता स्व० अतुल मांझी आ० नारद मांझी को उक्त भूमि भारत सरकार पुर्नवास विभाग द्वारा द्वारा कृषि कार्य हेतु प्रदान किया गया था। किन्तु स्व० अतुल मांझी की मृत्यु दिनांक 14.02.1986 को हो चुक है, उक्त वादभूमि पर आवेदकगण उनके पुत्र काबिज कास्त कर मकान बाड़ी बनाकर कृषि कार्य कर निवासरत है कानूनी जानकारी के अभाव में आज दिनांक तक आवेदकगण उपरोक्त वादभूमि पर अपना नाम राजस्व अभिलेखों में फौती के तहत दर्ज नहीं करवा पाये आवेदकगण स्व० अतुल मांझी के वैद्ध उत्तराधिकारी एवं पुत्र है जिस हेतु उपरोक्त वादभूमि पर आवेदकगण का नाम फौती नामांतरण के तहत राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। आवेदकगण का नाम फौती नामांतरण के तहत राजस्व अभिलेखों में दर्ज न होने के कारण शासन से प्राप्त लाभ एवं कृषि प्रयोजन हेतु कृषि लोन तथा धान बिक्री में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। वादभूमि पर आवेदकगण का नाम राजस्व अभिलेखों में फौती नामांतरण करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 20-06-2025 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06-06-2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार लटोरी,
जिला सूरजपुर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1316/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-सकदुकला जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय सकदुकला जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001048 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत सकदुकला का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1314/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-बगबुड़ा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय बगबुड़ा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001051 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बगबुड़ा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1312/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-उरगा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय उरगा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001052 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत उरगा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1310/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-कोलगा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय कोलगा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001025 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत कोलगा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1308/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-गुरमा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय गुरमा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001021 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत गुरमा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1306/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-कटकोना जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय कटकोना जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001072 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत कटकोना का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1304/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-बासीन जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय बासीन जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001072 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बासीन का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1318/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 05/06/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-तिलईडांड जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय तिलईडांड जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001004 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेंसियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत तिलईडांड का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 20/06/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 20/06/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

Sports Live

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने सोने की बढ़ी चमक

नई दिल्ली,16 जून। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ? से सोमवार (16 जून) सुबह घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आई. दोनों देशों के लगातार हमलों के कारण सोने की कीमतें 1 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि सोना और चांदी सुरक्षित निवेश हैं, जिन्हें निवेशक इन अस्थिर बाजारों में अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए अपना सकते हैं. साल-दर-साल सोने की कीमतों में लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई के साथ 31 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे 2025 के टॉप प्रदर्शन करने वाले परिसंपत्ति वर्गों में इसकी स्थिति मजबूत हुई है और यह एक विश्वसनीय बचाव है.

करुण नायर का चौंकाने वाला खुलासा, बताया किसने दी थी संन्यास की सलाह

0 संन्यास को लेकर करुण नायर का बड़ा खुलासा
0 शानदार प्रदर्शन के दम पर करुण ने की वापसी
0 भारत के लिए तिहरा शतक जड़ चुके हैं नायर

स्पोर्ट्स डेस्क : घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बाद भारत के स्टार बल्लेबाज करुण नायर की टेस्ट टीम में वापसी हो चुकी है। उनका इंग्लैंड के खिलाफ २० जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में खेलना तय है। इस बल्लेबाज ने आखिरी बार भारत के लिए २०१७ में टेस्ट खेला था, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने अब एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

'डेली मेल' से बात करते हुए करुण ने खुलासा किया कि एक प्रमुख क्रिकेटर ने उन्हें रिटायर होने और टी-२० क्रिकेट पर फोकस करने की सलाह दी थी। करुण को यह सलाह २०२२ के घरेलू सीजन के बाद मिली, जहां उन्हें न केवल कर्नाटक टीम से बाहर कर दिया गया, बल्कि लगभग १४ महीनों तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट भी नहीं खेलने का मौका मिला। नायर ने कहा कि रिटायर होना आसान होता है, लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो वे आसानी से हार मानने के लिए खुद को हमेशा कोसते।

'मैं आसानी से हार मानने के लिए खुद को कोसता'

उन्होंने कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन करके कहा था कि तुम्हें संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीग में मिलने वाला पैसा मुझे स्टेबल बनाएगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे के बावजूद मैं इतनी आसानी से हार मानने के लिए खुद को कोसता।'

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन ने दिलाई टीम में जगह

नायर ने तब काउंटी चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। इसके बाद वह कर्नाटक से विदर्भ चले गए, जिसके बाद उन्होंने कुछ बेहतरीन घरेलू सीजन खेले। रणजी ट्रॉफी २०२४/२५ और विजय हजारे ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने भारतीय टेस्ट टीम में उनकी वापसी का रास्ता साफ कर दिया। इस पर उन्होंने कहा, 'मैं भारत के लिए फिर से खेलना कभी नहीं छोड़ने वाला था। यह सिर्फ दो साल पहले की बात है और देखिए हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी अच्छा हूं।'

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20आई में आयरलैंड को 62 रनों से हराया, सीरीज पर 1-0 से जमाया कब्जा

आयरलैंड,16 जून। वेस्टइंडीज ने रविवार को ब्रेडी क्रिकेट क्लब में खेले गए तीसरे और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आयरलैंड को 62 रनों से हराया. इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली, क्योंकि सीरीज के पहले दो मैच बारिश की भेंट चढ़ गए थे. एविन लुईस ने अपने धमाकेदार अर्धशतक की बदौलत कैरेबियाई टीम को जीत दिलाई.

सीरीज के अंतिम टी20 मैच में टॉस जीतकर आयरलैंड ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया. वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एविन लुईस और शाई होप (51) ने पहले विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी की. कीसी कार्टी ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया.

हालांकि, लुईस की 44 गेंदों पर खेली गई 91 रनों की पारी वेस्टइंडीज के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई, जिसने (256/5) का स्कोर बनाया. वहीं, आयरलैंड की और से मैथ्यू हम्फ्रीज ने दो विकेट लिए, जबकि मार्क एडेयर, बैरी मैकार्थी और बेन व्हाइट को 1-1 सफलता हाथ लगी.

257 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड ने पारी की शुरूआत में ही पॉल स्टर्लिंग का विकेट गंवा दिया. विकेट गिरने के बाद रॉस एडेयर (48) और हैरी टेक्टर (38) की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी की. हालांकि, इसके बाद टीम की लय बिगड़ गई और उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए. मार्क एडेयर ने 14 गेंदों पर नाबाद 31 रनों की पारी खेलकर कुछ संघर्ष करने की कोशिश की. हालांकि, आयरलैंड स्कोरबोर्ड पर (194/7) का स्कोर ही बना सका और 62 रनों से मैच हार गया. वेस्टइंडीज के लिए अकील होसेन ने 3 विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर ने 2 विकेट झटके. रोमारियो शेफर्ड और रोस्टन चेज ने भी 1-1 विकेट लिया.

इस मैच में कुछ रिकॉर्ड भी टूटे. लियाम मैकार्थी ने मैच में 81 रन दिए - जो आयरिश टीम के लिए सबसे ज्यादा है. साथ ही, यह टी20आई पारी में गाम्बिया के मूसा जोबार्टे के बाद दूसरा सबसे महंगा स्पेल था, जिन्होंने 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए 93 रन दिए थे. वहीं, रॉस एडेयर और हैरी टेक्टर की 101 रनों की साझेदारी टी20आई में दूसरे विकेट के लिए आयरलैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है.

यू मुंबा ने जीता अपना पहला खिताब, फाइनल में जयपुर पैट्रियट्स को 8-4 से हराया

0-यूटीटी सीजन 6

अहमदाबाद,16 जून। यू मुंबा टीटी ने रविवार को यूटीटी सीजन 6 के ग्रैंड फाइनल में जयपुर पैट्रियट्स पर 8-4 से जीत के साथ अपना पहला अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) खिताब जीतकर इतिहास रच दिया. यह जीत टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली.

लिलियन बार्डेट और बर्नडेट स्जोक्स की जीत ने यू मुंबा को शुरूआती बढ़त दिलाई. इसके बाद स्जोक्स और आकाश पाल ने मिक्स्ड डबल्स में 3-0 से जीत दर्ज करके उन्हें जीत के करीब पहुंचा दिया. युवा स्टार अभिनंद पीबी ने चौथे मैच में शानदार जीत के साथ खिताब अपने नाम किया. हालांकि, यशस्विनी घोरपड़े फाइनल में नहीं खेल पाई.

फाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के लिए, आकाश और स्जोक्स को क्रमशः भारतीय और विदेशी खिलाड़ी ऑफ द फाइनल चुना गया, जबकि जीत चंद्रा ने शॉट ऑफ द फाइनल का खिताब जीता.

डेम्पो गोवा चैलेंजर्स के कप्तान हरमीत देसाई और यू मुंबा टीटी की कप्तान बर्नडेट स्जोक्स को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए क्रमशः यूटीटी सीजन 6 का पुरुष और महिला एमवीपी चुना गया, जबकि एड्रियाना डियाज को कोलकाता थंडरब्लेड्स के गोवा के खिलाफ लीग चरण के मुकाबले में कृत्विका सिन्हा रॉय के खिलाफ शानदार जीत के लिए शॉट ऑफ द लीग का खिताब मिला.

यू मुंबा ने चैंपियन के रूप में 60 लाख रुपये कमाए, जबकि उपविजेता जयपुर पैट्रियट्स ने 40 लाख रुपये जीते. सेमीफाइनलिस्ट दबंग दिल्ली टीटीसी और चैलेंजर्स को 17.5-17.5 लाख रुपये मिले.

छोटी खबरें

पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस ने 12वीं बार तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड, पहली बार घर पर बनाया कीर्तिमान

स्वीडन,16 जून। मोंडो डुप्लांटिस ने अपने करियर में 12वीं बार पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा. वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने और फिर उसे तोड ? में माहिर स्वीडिश एथलीट ने 12वीं बार ऐसा किया. यह उपलब्धि रविवार को स्टॉकहोम में वांडा डायमंड लीग मीटिंग में हासिल की गई. 25 वर्षीय खिलाड़ी ने 1912 ओलंपिक स्टेडियम में 6.28 मीटर की छलांग लगाई और फरवरी में क्लेरमोंट-फेरैंड में बनाए गए 6.27 मीटर के अपने पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया. ऑस्ट्रेलिया के कुर्टिस मार्शल डुप्लांटिस को कड़ी टक्कर दे रहे थे, लेकिन वे 5.90 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने में सफल रहे, लेकिन छह मीटर के निशान को पार करने के लिए तीन असफल प्रयास किए. इससे डुप्लांटिस एकमात्र दावेदार रह गए और उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया. स्वीडिश पोल वॉल्टर इस उपलब्धि के बाद खुशी से उछलते हुए देखे गए. उन्होंने उपलब्धि के बाद स्टेडियम में अपनी पहली छलांग को याद किया. अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के बाद डुप्लांटिस ने कहा, 'मैं अभी पूरी तरह से संतुष्ट महसूस कर रहा हूं. यहां मेरे बहुत सारे परिवार हैं. जब मैं 11 साल का था, तब मैंने पहली बार इस स्टेडियम में छलांग लगाई थी, तब बारिश और ठंड थी, और मैं चार मीटर से भी कम की छलांग लगा पाया था- यह मेरी उम्र के हिसाब से काफी अधिक थी. मैं अभी इसका आनंद लेने जा रहा हूं, इस पल का आनंद लेने जा रहा हूं'. डुप्लांटिस ने यह भी कहा कि उनकी नजर 6.30 मीटर के निशान को पार करने पर है. उन्होंने कहा, 'यहां विश्व रिकॉर्ड धारकों के नाम उकेरे जाते हैं. स्टेडियम में मेरा नाम उकेरना वाकई खास होगा. मेरी राय में यह सबसे खूबसूरत स्टेडियम है. मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बेहतरीन यादों में से एक होगी. तकनीकी रूप से 6.30 मीटर और मेरे बीच बहुत अंतर नहीं है. मैं बस एक दिन दूर हूं'. बता दें कि, अमेरिकी मूल के स्वीडिश एथलीट ने घरेलू धरती पर पहला विश्व रिकॉर्ड बनाने की अपनी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी.

अमिताभ कांत का जी-20 शेरपा पद से इस्तीफा, सरकार के साथ 45 साल का करियर खत्म

नई दिल्ली,16 जून। अमिताभ कांत ने भारत के जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है. इससे अमिताभ कांत का सरकारी सेवा में उनका 45 साल का करियर खत्म हो गया है. नीति आयोग के पूर्व सीईओ, जिन्होंने 2022 से जी20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 2023 में इसकी अध्यक्षता के दौरान अहम भूमिका निभाई है. अमिताभ कांत ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अब वह व्यक्तिगत क्षमता में स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ेंगे. पोस्ट में कहा गया है कि मेरे मंत्रियों-निर्मला सीतारमण और डॉ. एस. जयशंकर और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा- मैं आपके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हूं. मेरे सभी सहयोगियों, मार्गदर्शकों और मित्रों- आपकी प्रेरणा के लिए धन्यवाद. अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन करके विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा की प्रतीक्षा कर रहा हूं. कांत नीति आयोग के सबसे लंबे समय तक सीईओ रहे, फरवरी 2016 से जून 2022 तक छह साल से अधिक समय तक इस पद पर रहे, जुलाई 2022 में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बाद भारत के जी20 शेरपा नियुक्त किए जाने से पहले. उनकी पिछली भूमिकाओं में औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के सचिव (2014-16) और पर्यटन मंत्रालय में संयुक्त सचिव (2001-07) शामिल हैं.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

ईरान-इजरायल जंग के बावजूद भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला, सेंसेक्स 212 अंक उछला

मुंबई,16 जून। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार बढ़ोतरी के साथ ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 212 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 81,330.76 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.31 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,794.60 पर खुला. निवेशकों ने इजरायल-ईरान युद्ध के कारण मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच धारणा को सतर्क बनाए रखा है.

आज के कारोबार के दौरान हुडको, मणप्पुरम फाइनेंस, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, बिड़लासॉफ्ट, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए), आरबीएल बैंक और टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयर फोकस में रहेंगे.

वैश्विक स्तर पर बिकवाली और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई. सेंसेक्स 573 अंक गिरकर 81,118 पर और निफ्टी 169 अंक गिरकर 24,718 पर आ गया. इससे पहले, सेंसेक्स में दिन के कारोबार में 1,300 से अधिक अंकों की गिरावट आई थी. मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण तेल की कीमतों में उछाल ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया.

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखी गई, जिसका कारण नकारात्मक वैश्विक संकेत और ईरान पर इजरायल के सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल था.

बजाज फाइनेंस के शेयरों में अचानक 90 फीसदी की गिरावट

मुंबई,16 जून। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 4:1 बोनस इश्यू और 1:1 स्टॉक स्प्लिट के बाद समायोजन किया गया. डबल कॉरपोरेट एक्शन के कारण मूल्य समायोजन के कारण शुरूआती सत्र में शेयर की कीमत 9,331 रुपये से लगभग 90 फीसदी गिरकर 937 रुपये हो गई.

बोनस इश्यू या स्टॉक स्प्लिट के बाद स्टॉक की कीमत समायोजित हो जाती है क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ जाती है जबकि कंपनी का कुल मूल्य (बाजार पूंजीकरण) वही रहता है.

बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 16 जून, 2025 को निर्धारित दो प्रमुख कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के साथ सुर्खियों में हैं. बोनस इश्यू- 4:1 बोनस इश्यू का मतलब है कि शेयरधारकों को हर एक शेयर के बदले चार अतिरिक्त शेयर मिलेंगे.

स्टॉक स्प्लिट- इसके शेयरों का अंकित मूल्य 2 रुपये से 1 रुपये तक विभाजित किया जाएगा, जिससे वहनीयता और तरलता में सुधार होगा.

16 जून 2025 दोनों की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट एक ही है.

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने 07 जून को घोषणा की कि वह सोमवार, 16 जून को स्टॉक विभाजन करेगा और बोनस इक्विटी शेयर जारी करेगा.

कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि सेबी लिस्टिंग विनियमन, 2015 के विनियमन 42 के अनुसार, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने मौजूदा इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन और कंपनी के बोनस इक्विटी शेयर जारी करने के लिए एलिजिबल सदस्यों को निर्धारित करने के उद्देश्य से सोमवार, 16 जून 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है.

पिछले महीने कारों की थोक बिक्री में हुई मामूली गिरावट

नईदिल्ली,16 जून। पिछले महीने यात्री वाहनों की थोक बिक्री में पिछले महीने मामूली गिरावट दर्ज हुई है। इसके बावजूद यह दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मई में 3.44 लाख गाडि ?ां बेची गई, जो पिछले साल मई में बिकी 3.47 लाख गाडि ?ों की तुलना में 0.8 फीसदी कम है। इसके अलावा निमार्ताओं ने पिछले महीने 53,942 तिपहिया वाहन और 2.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16.55 लाख दोपहिया वाहन बेचे थे। यात्री वाहनों की बिक्री यूटिलिटी वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। इस दौरान घरेलू यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 1.97 लाख रही, जो मई, 2024 की 1.82 लाख की तुलना में 7.6 प्रतिशत अधिक है।

दूसरी तरफ छोटी कारों की बिक्री 93,951 रही। यह आंकड़ा पिछले साल इसी महीने में बिकीं 1.06 लाख की तुलना में 12.2 प्रतिशत गिरकर 93,951 पर पहुंच गया है। इसके अलावा पिछले महीने वैन की बिक्री 12.5 फीसदी बढ़कर 12,327 हो गई।

निर्यात देखें तो मई 24.4 प्रतिशत बढ़कर 67,181 हो गया, जबकि मई, 2024 में यह 53,991 था।

वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-मई के बीच यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 3.1 प्रतिशत बढ़कर 6.06 लाख हो गई, जबकि 2024-25 की इसी अवधि में 5.88 लाख थी।

इस दौरान यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 3.97 लाख रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3.62 लाख थी। छोटी कारों की बिक्री 2.03 लाख से घटकर 1.85 लाख रह गई है।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

रायपुर, मंगलवार 17 जून, 2025

17 से 21 जून तक सभी स्कूल सुबह 7 से 11 बजे लगेंगे, आदेश जारी

रायपुर। राज्य में लगातार बढ़ते तापमान और उमस के प्रकोप को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर पडने. वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को मद्देनजर.बड़ा निर्णय लिया है। शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त एवं अशासकीय सभी शालाएं जो 16 जून 2025 से प्रारंभ हो चुकी हैं, अब 17 जून से 21 जून 2025 तक प्रातः 7: 00 बजे से 11: 00 बजे तक संचालित की जाएंगी। यह भी शासन ने स्पष्ट किया है कि दिनांक 23 जून 2025 से सभी स्कूलों का संचालन सामान्य समयानुसार किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

राजस्व मंत्री आज लेंगे विभागीय समीक्षा बैठक

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा 17 जून को सुबह 11 बजे मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में विभागीय कार्यो की समीक्षा करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्व, आपदा प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण, नक्शा निरीक्षण और अन्य विभागीय कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी।

बैठक में विशेष रूप से ई-गवर्नेंस के अंतर्गत डिजिटल क्राप सर्वे और जीआईएस कार्यो की प्रगति, राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का विश्लेषण और समयबद्ध निस्तारण, भू-अर्जन मामलों की जांच एवं शिकायतों की स्थिति, प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम हेतु उपकरणों और निधियों के उपयोग की समीक्षा की जाएगी। इसी तरह सर्वे-रिसर्वे, नक्शा, परियोजना और डब्ल्यूआईएनडीएस योजना की प्रगति की रिपोर्ट के साथ-साथ मानसून से पहले आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा और एनडीआरएफ के फायर सेफ्टी सिस्टम के आधुनिकीकरण की योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में नवपदस्थ नायब तहसीलदारों, भू-अभिलेख अधिकारियों तथा अन्य राजस्व अधिकारियों की पदोन्नति से जुड़ी प्रक्रियाओं की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।

नशे में धुत कार चालक ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, युवती सहित तीन युवकों की मौत

पेंड्रा। जिले के मझगवां गांव के पास देर रात नशे में धुत होकर तेज रफ्तार कार चालक स्नेहिल गुप्ता ने दो बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मारी जिससे दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवती ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कार चालक भी घायल हुआ है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक मरवाही निवासी स्नेहिल गुप्ता अपनी ब्रेजा कार (सीजी 31 बी2536) से पेंड्रा की ओर जा रहा था। वह नशे में धुत था और तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहा था। तभी सामने से आ रही दो बाइकों से उसकी कार की टक्कर हो गई। हादसे में गिरारी निवासी गंगाराम गंधर्व (25 वर्ष), कुदरी निवासी रामवतार गोंड (30 वर्ष) और भूपेंद्र गोंड (28 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बंधी निवासी शानू केवट (22 वर्ष) को गंभीर हालत में पहले जिला अस्पताल और फिर बिलासपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। मृतक गंगाराम उर्फ सागर का रविवार को ही जन्मदिन था। वह अपनी गर्लफ्रेंड शानू केवट के साथ पल्सर बाइक में घर लौट रहा था। दूसरी बाइक में भूपेंद्र और रामवतार दशगात्र के कार्यक्रम से लौट रहे थे। कार ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे गाडि ?ां 20 से 50 मीटर तक दूर जा गिरीं।

चश्मदीदों और परिजनों का कहना है कि आरोपी चालक नशे में पूरी तरह धुत था और हादसे के बाद भी बड़बड़ाता रहा। कार से शराब की कई बोतलें भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया और गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया है। हादसे के बाद जिला अस्पताल की अव्यवस्थाएं भी उजागर हुई। दो शवों को एक ही फ्रीजर में रखे जाने से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल ने बताया कि आरोपी स्नेहिल गुप्ता के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उसे मामूली चोट आई है, जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जिले के स्कूलों में उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत, मिठाई खिलाई गई

रायपुर। जिले के सभी स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें सुबह बच्चों स्कूल में का तिलक लगाकर स्वागत किया, मिठाई खिलाई गई। उन्हें जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नए गणवेश दिए गए और पुस्तकों का भी वितरण किया गया। बच्चों में उमंग था और चेहरें में मुस्कुराहट थी। जहां जनप्रतिनिधियों-शिक्षकों ने लक्ष्य प्राप्त करने का आव्हान किया। वहीं विद्यार्थियों ने अच्छा परिणाम लाने और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। राजधानी के आत्मानंद शासकीय शहीद स्मारक उत्कृष्ट विद्यालय में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा और शासकीय दानी स्कूल में विधायक श्री सुनील सोनी ने विद्यार्थियों का स्वागत किया।

बचपन की यादों में लौटे विधायक पुरंदर मिश्रा, बोले - स्कूल खुलने का बेसब्री से करते थे इंतजार

00 शिक्षा आपका अधिकार है - विधायक मिश्रा

रायपुर। स्वामी आत्मानंद बीपी विप्र अंग्रेजी माध्यम स्कूल, रायपुर में आज शैक्षणिक वर्ष 2025-26 की शुरूआत को लेकर विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया।

विधायक श्री मिश्रा ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नई कक्षा, नई किताबें और नए लक्ष्य आपके जीवन में तरक्की की नई राह खोलेंगे। पूरे मन से पढ़ाई करें, जिज्ञासा रखें और अपने हर सपने को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर विद्यालय में आवश्यक शिक्षक मौजूद हों और सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल मिले। शिक्षा आपका अधिकार है और इसे श्रेष्ठ बनाने की जिम्मेदारी हमारी है।

श्री मिश्रा ने बच्चों से संवाद करते हुए उनके भविष्य के सपनों के बारे में पूछा। इस दौरान उन्होंने अपने स्कूली जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि बचपन में जब गर्मियों की छुट्टियाँ समाप्त होती थीं, तो मैं बेसब्री से इंतजार करता था कि कब स्कूल खुले और हम नए यूनिफॉर्म में स्कूल जाकर अपने नए सफर की शुरूआत करें। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को मिठाई वितरण कर उन्हें नए सत्र के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। इस आयोजन में प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजू सूद, पार्षद श्री आकाश शर्मा, छायापार्षद श्री ज्ञानचंद चौधरी सहित विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्कूल की पुस्तकें कबाड़ी को बेचते पकड़ी गई संकुल समन्वयक, हुई निलबित

रायपुर। संकुल समन्वयक पूर्णमा वर्मा शनिवार की शाम साढ़े छह बजे सांकरा शासकीय स्कूल की पुस्तकें कबाड़ वाले को बुलाकर बेंचते हुए ग्रामीणों ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलने पर शाला विकास समिति अध्यक्ष नोहर वर्मा भी मौके पर पहुंचे और उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। वहीं दूसरी ओर इसका वीडि ?ो पर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल ने आज संकुल समन्वयक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और जांच टीम गठित कर मामले की जांच करने के निर्देश दिए।

साय कैबिनेट की बैठक 18 को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने मंत्रिमंडल के सहयोगगियों के साथ मंत्रालय में 18 जून को 11.30 बजे कैबिनेट की बैठक करने जा रहे है। जिसमें मानसून के आगमन के साथ ही माना जा रहा है कि किसानों और खाद से जुड़ी समस्याओं को लेकर अहम फैसला ले सकते है।

राज्यपाल डेका से छत्तीसगढ़ अग्रवाल संगठन के पदाधिकारियों ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों ने भेंट कर अपनी मांग के संबंध में अनुरोध पत्र सौंपा। इस अवसर पर श्री सियाराम अग्रवाल, श्री महेंद्र सक्सेरिया, श्री जयदेव सिंघल, श्री संजय अग्रवाल, श्री श्लोक अग्रवाल एवं श्री नंद किशोर उपस्थित थे।

राज्यपाल की सुरक्षा में तैनात निरीक्षक के उप पुलिस अधीक्षक पदोन्नत होने पर स्टार सेरेमनी का आयोजन

रायपुर। राज्यपाल की सुरक्षा में तैनात निरीक्षक श्री नीलकिशोर अवस्थी के उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर आज राजभवन में स्टार सेरेमनी का आयोजन किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उनके कंधे पर उप पुलिस अधीक्षक का रैंक लगाया। श्री डेका ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, परिसहाय स्क्वा. लीडर श्री निशांत कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री प्रशांत कतलम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गर्मी की छुट्टियों के बाद आज से स्कूलों की घंटी फिर बजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज से अधिकांश स्कूल खुल गए हैं,कुछ 20 से खुलेंगे और कुछ अगले सप्ताह से लेकिन नया शैक्षणिक सत्र शासकीय तौर पर कहें तो आज से शुरू हो गया है। इस बीच प्रदेश भर के स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मानया जायेगा। इस दौरान छात्रों का स्वागत करते हुए उत्साह बढ़ाया जाएगा। तिलक लगाकर छात्रों का स्वागत किया जाएगा। साथ ही छात्रों का मुंह मीठा भी कराया जाता है। हर स्कूल में अपने तरह से इस खास दिन को सेलिब्रेट किया जाता है। यह सिलसिला जून महीने के आखिरी तारीख तक चलेगा। इस मौके पर सीएम विष्णुदेव साय ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा गर्मी की छुट्टियों के बाद आज से स्कूलों की घंटी फिर से बजी, बच्चों की मुस्कान, उत्साह, जिज्ञासा फिर से कक्षा में लौट आई है, शिक्षा का यह नया सफर सफलता और संस्कार से भरा हो। उधर डिप्टी सीएम अरुण साव ने भी शुभकामनाएं दी है वे बिलासपुर और मुंगेली के शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होंगे।

सप्रे शाला में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव, सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान उपलब्ध कराने समिति के अध्यक्ष हरख मालू ने की घोषणा

रायपुर। नए शिक्षा सत्र के पहले दिन आज माधवराव सप्रे शाला में भी शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। पहले दिन आने वाले बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत करने के साथ मुंह मीठा कराया गया। मुख्य अतिथि शाला विकास समिति के अध्यक्ष हरख मालू ने सभी बच्चों व शाला परिवार का स्वागत करते हुए कहा नया शैक्षणिक सत्र आप सभी के लिए सुखद व प्रगतिकारक हो। समिति शाला के विकास के लिए सतत प्रयासशील है। आप सभी ने उसी के अनुरूप शिक्षा, खेल,विभिन्न प्रतियोगिताओं में विशेष स्थान प्राप्त कर शाला को गौरवान्वित किया है और आगे हम शाला को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास करेंगे। श्री मालू ने छात्र-छात्राओं के लिए खेल मैदान की कमी की मांग को तत्काल स्वीकृत करते हुए सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए जोन क्रमांक 4 के अध्यक्ष एवं पार्षद श्री मुरली शर्मा ने सभी को बधाई देते हुए शाला की समस्याओं के निराकरण में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। प्राचार्य डॉक्टर अनुपमा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे छात्र-छात्राओं ने अच्छे परिणाम दिए हैं, इसी के साथ खेलों में नेशनल तक खेलने गए हैं और वहां अपनी श्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर 90 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती नीलम सोनी ने किया इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के सदस्य महादेव नायक, प्रमिल नियोगी सहित शिक्षक शिक्षिकाएं व पालकगण उपस्थित थे।

हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं का एक और गुर्गा गिरफ्तार

रायपुर। सूदखोरी के मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं का एक और गुर्गा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तोमर बंधुओं के फाइनेंस कंपनी का मैनेजर है आरोपी बंटी सहारे.आरोपी के पास से करोड़ों के लेनदेन की जानकारी मिली है। आरोपित सहारे तोमर बंधुओं के साथ मिलकर सूदखोरी का धंधा चला रहा था । पुलिस पूछताछ में कुछ अहम जानकारी मिल सकती है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com